फाल्गुन शुक्ल पक्ष पंचमी संवत् 2081 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-08, अंक - 248 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल

04 मार्च 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम

29 अधिकतम

18 न्यूनतम

मंत्रिपरिषद की बैठक में मंत्रियों ने किया सीएम यादव का अभिनंदन, कई प्रस्तावों पर चर्चा

कैबिनेट पर भी समिट का असर, अगले बजट पर सरकार की नजर, मंथन का दौर

भोपाल ,दोपहर मेट्रो

राजधानी में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के आयोजन के बाद आज पहली बार मोहन यादव मंत्रिपरिषद की बैठक में इसका %चर्चा% रहा। बैठक शुरू होने से पहले मुख्यमंत्री यादव को मंत्रियों ने भगवान श्रीराम की प्रतिमा भेंट कर समिट के उपलब्धि पूर्ण आयोजन के लिए उनका अभिवादन किया। सीएम को अंगवस्त्रम भी भेंट हुआ। बैठक में सीएम ने अपने सभी मंत्रियों को कहा कि हालिया समिट के प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए लगातार फॉलो अप करें और अपने विभाग प्रमुखों के साथ रिव्यू करते रहें। बताया जाता है कि सीएम हर हाल में कुछ बडे उद्योगों की स्थापना भूमिपूजन का कार्य इसी महीने शुरू कराने के लक्ष्य लेकर चल रहे हैं लिहाजा मंत्रियों और अफसरों को जरूरी निर्देश दिये जा रहे हैं। इस बैठक में दूसरे अनुपूरक बजट को मंजूरी के साथ ही नगर व ग्राम निवेश संशोधन विधेयक को भी कैबिनेट मंजूरी देगी। मोहन कैबिनेट आज उज्जैन में महाकाल मंदिर में होमगार्ड स्वयंसेवी सैनिकों के 488 पदों को मंजूरी देने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी देगी। बैठक में जनजातीय देवलोक की स्थापना और 10 मार्च से शुरू होने वाले बजट सत्र में पेश होने वाले बजट को लेकर भी चर्चा की गई है। बजट सत्र में की जाने वाली नई घोषणाओं को लेकर भी कैबिनेट में चर्चा हुई है। जोर इस बात पर भी है कि सत्र के दौरान सवालों के जवाब समय पर दिए जाएं तथा मंत्री जानकारियों से लैस व हाजिरजवाब रहें। बजट के करीब चार लाख करोड़ रुपए से अधिक के होने की बात मुख्यमंत्री खुद ही कर चुके हैं। मंत्रियों को बजट के संबंध में सुझाव आदि भी जल्द देने को कहा गया है। बताया जाता है कि इन विषयों के अलावा, दूसरे अनुपूरक बजट

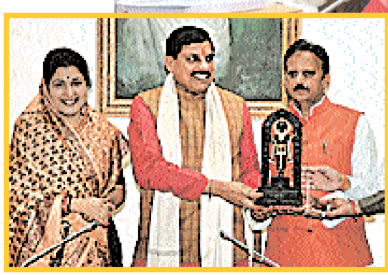

के प्रस्तावों को भी इस कैबिनेट में मंजूरी मिलने के आसार हैं। इसमें सड़क, बिजली, इन्फ्रास्ट्रक्चर समेत अन्य विकास और जनोपयोगी मुद्दों पर सरकार का फोकस है और ब्याज की देनदारी को लेकर भी अनुपूरक बजट में बडी रकम शामिल करने की तैयारी है। आगामी वर्ष के बजट के पहले चालू वित्त वर्ष का आखिरी अनुपूरक बजट भी लाया जा रहा है।

मप्र की योजनाओं की चाल और असर का प्रत्यक्ष मुआयना करेगा वित्त आयोग

भोपाल। केंद्र और राज्य सरकार के बीच टैक्स के वितरण, अनुदान सहायता तय करने और राज्य सरकारों के बीच संसाधनों के उचित आवंटन को लेकर 16 वां वित्त आयोग आज से मप्र के दौरे पर है। आयोग अध्यक्ष अरविंद पनगढ़िया के नेतृत्व में पांच सदस्यीय दल भोपाल के अलावा प्रदेश के अन्य जिलों में भी जाएगा। आयोग की अनुशंसा 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2031 तक पांच वर्ष के लिए होगी। टीम के अफसर प्रदेश में राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों, स्थानीय निकायों, पंचायत एवं नगरीय निकायों और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठकें करेंगे। मप्र सरकार ने इसके लिये काफी समय से तैयारियां की हुई हैं। बैठकों में बढ़ी हुई कर हस्तांतरण दर के राज्य की वित्तीय स्थिति पर प्रभाव और राज्य के व्यय स्वरूप में हुए परिवर्तन पर चर्चा की जाएगी। वित्त आयोग दौरा करके वित्तीय योजनाओं, विकास कार्यों और नीतियों के प्रभाव का प्रत्यक्ष आकलन करेगा। इस दौरान आयोग विभागीय अधिकारियों से विभिन्न विकास परियोजनाओं की प्रगति पर जानकारी लेगा और सुझाव मांगेगा।

वित्तीय संसाधनों की रूपरेखा होगी: जानकारों के मुताबिक आयोग की बैठक मप्र की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और राज्य की विकास योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण निर्देश में सहायक होगी।

अमेरिका ने यूक्रेन को सभी सैन्य मदद रोकी

वाशिंगटन,एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से व्हाटस हाउस में बहस के तीन दिन बाद अब अमेरिका ने यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य मदद रोकने का ऐलान कर दिया है। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक यह आदेश तुरंत प्रभाव से लागू हो गया है। ऐसी मदद जो अमेरिका से अभी तक यूक्रेन नहीं पहुंची है, उसे भी रोक दिया गया है। इसमें पोलैंड तक पहुंच चुका सामान भी शामिल है। जानकारी के अनुसार यूक्रेन को रोकी गई मदद तब तक बहाल नहीं की जाएगी, जब तक राष्टपति ट्रम्प को यह यकीन नहीं हो जाता कि यूक्रेन के राष्टपति वोलोदिमिर जेलेंस्की वास्तव में शांति चाहते हैं। यूक्रेन को सैन्य मदद रोके जाने को लेकर फिलहाल अमेरिकी रक्षा विभाग और न ही राष्टपति ट्रम्प ने कोई टिप्पणी नहीं की है। ब्लूमबर्ग ने रक्षा विभाग के एक अधिकारी के हवाले से बताया है कि राष्टपति इस बात की समीक्षा कर रहे हैं कि क्या जेलेंस्की रूस के साथ शांति कायम करने की कोशिश कर रहे हैं।

ट्रंप से बहस के बाद सख्ती और बढ़ी

मंत्री के बयान पर कांग्रेस का कल से विरोध प्रदर्शन

भोपाल। मप्र के पंचायत व ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान पर हंगामा बढ़ रहा है। मप्र कांग्रेस ने कल से लगातार छह दिन तक मप्र के हर जिले में प्रदर्शन करने की रूपरेखा बनाई है। शुरूआत भोपाल समेत सभी जिलों में एक साथ प्रेसवार्ता के जरिए की जा रही है। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इस मामले मे प्रदेश नेतृत्व की और से नवागत प्रभारी हरीश चौधरी से भी बात की गई है। जीतू पटवारी का कहना है भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रहलाद पटेल का यह कहना कि अब तो सरकार से भीख मांगने की आदत लोगों को पड़ गई है, न सिर्फ अहंकार से भरा है, बल्कि प्रदेश की जनता का सीधा अपमान भी है।

महाराष्ट्र सरकार में मंत्री देशमुख का इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट सरकार में मंत्री और अजित पवार की नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी नेता धनंजय मुंडे ने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया है। खुद मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इसकी जानकारी दी। मुंडे के निज सहायक ने मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पहुंचकर इस्तीफा सौंपा था। फडणवीस ने इसे स्वीकार कर लिया और इसे राज्यपाल को भेज दिया। दरअसल सरपंच संतोष देशमुख हत्याकांड में महाराष्ट की महायुति सरकार में मंत्री रहे धनंजय मुंडे विवादों में घिर गए थे। एसआईटी ने अपनी चार्जशीट में मुंडे के करीबी सहयोगी वाल्मीक कराड को बीड जिले में जबरन वसूली का विरोध करने वाले सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मास्टरमाइंड के रूप में नामजद किया था।

दुबई में भारत-आस्ट्रेलिया भिड़ंत पर निगाहें

दुबई। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। मुकाबला दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में दोपहर 2.30 बजे से शुरू होगा। यहां दोनों टीमें पहली बार एक दूसरे का सामना करेंगी। टूर्नामेंट के नॉकआउट में दोनों टीमें 9वीं बार भिड़ेंगी। इससे पहले हुई भिड़ंत में दोनों को 4-4 जीत मिली।

शेयर बाजार में आज भी 'अमंगलवार'

सेंसेक्स 9 महीने के निचले स्तर पर,निफ्टी भी टूटा, ट्रंप की टैरिफ पालिसी से हड़कंप कायम

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में इन दिनों लगातार 'अमंगल' जैसा माहौल है। प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक फिसलते नजर आ रहे हैं। आज भी शुरुआती कारोबार में ही सेंसेक्स 347.07 अंक गिरकर 72,738.87 पर और निफ्टी 109.85 अंक गिरकर 22,009.45 पर कारोबार करने लगा। आज मंगलवार के कारोबार सत्र में सेंसेक्स अपने नौ महीने के बाद अपने निचले स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार के दौरान रिलायंस इंडस्ट्रीज और आईटी क्षेत्र शेयरों पर दबाव दिखा। इस दौरान आईटी शेयर 1 फीसदी तक टूट गए हैं। इसका असर भारतीय शेयरों पर भी पड़ा। दरअसल, अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प की ओर से उनकी प्रस्तावित टैरिफ योजना पर आगे बढ़ने की पुष्टि के बाद एशियाई बाजारों में गिरावट दिखी। एशियाई बाजारों में, टोक्यो और हांगकांग में गिरावट देखी गई, जबकि शंघाई और सियोल में स्थिरता रही। सोमवार को अमेरिकी बाजार रात भर के सौदों में गिरावट के साथ बंद हुए। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.63 प्रतिशत गिरकर 71.17 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 4,788.29 करोड़ रुपये मूल्य की इक्विटी बेची।

रूपया और कमजोर: विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी और मौजूदा तरलता घाटे के कारण शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले आठ पैसे गिरकर 87.40 पर आ गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि अमेरिका द्वारा टैरिफ लगाए जाने के कारण जारी अनिश्चितता ने वित्तीय बाजारों में उथल-पुथल मचा दी है। इसके अलावा, टैरिफ अराजकता ने अमेरिकी डॉलर इंडेक्स में अस्थिरता और अनिश्चितता पैदा कर दी है। आज से मेक्सिको और कनाडा पर 25 फीसदी टैरिफ लागू हो रहा है। चीन पर भी अतिरिक्त 10 फीसदी टैरिफ लागू हो रहा है। अमेरिकी राष्टपति डोनाल्ड ट्रम्प ने बीते दिनों कहा था, हम रेसिप्रोकल टैरिफ(जैसा को तैसा) लगाएंगे। इसके चलते बाजार में अनिश्चितता है।

किसानों के बड़े धरने से पहले धरपकड़, कई नेता हिरासत में

चंडीगढ़, एजेंसी

पंजाब के किसान अपनी मांगों को लेकर सरकार के सामने लामबंद हैं और धरने से पहले किसान नेताओं के घर पर पुलिस की कार्रवाई का मामला सामने आ गया है। भारतीय किसान यूनियन उगराहां के अध्यक्ष जोगिंदर सिंह उगराहां के घर पुलिस पहुंची, लेकिन जोगिंदर सिंह उगराहा घर पर नहीं मिले। बरनाला जिले में भी कई किसान नेताओं के घर पुलिस पहुंची है। पांच मार्च को चंडीगढ़ में लगने वाले मोर्चे के लिए मानसा पुलिस की ओर से बीती रात को किसानों के घरों में छापेमारी कर कई किसानों को हिरासत में लिया गया है किसानों के पहले से तय मोर्चे पर जाने से पहले पुलिस ने किसान नेताओं के घरों पर छापा मारा. थाना पातड़ां के गांव मौलवीवाला में किसान नेता कुलवंत सिंह को नजरबंद किया गया है। कुलवंत हिंद किसान सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष हैं यह संगठन संयुक्त किसान मोर्चा का एक अहम हिस्सा है। किरती किसान यूनियन के ब्लॉक नेता दलजिंदर सिंह हरियाउ को भी गिरफ्तार किया गया है.

दिल्ली की हार का गुस्सा: वहीं किसान नेता सरवन सिंह पंधेर ने कहा, पंजाब सरकार दिल्ली हार का गुस्सा किसानों पर निकाल रही है, पंजाब में लोग सरकार की नीतियों से किए वादों और नशे सहित भ्रष्टाचार से तंग है। कांग्रेस और अकाली दल भी इस पर चुप है क्योंकि उनको डर है कि पुलिस उनके घर ना आ जाए।

संघ का अभ्यास वर्ग हुआ शुरू

भोपाल। शारदा विहार शैक्षिक संस्थान में विद्या भारती का अभ्यास वर्ग शुरू हो गया है। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरसंघ चालक डॉ मोहन भागवत ने इस अभ्यास वर्ग का उद्घाटन किया। अभ्यास वर्ग में देश भर के 700 से ज्यादा पूर्ण कालिक कार्यकर्ता शामिल हो रहे हैं। शारदा विहार में पांच दिन चलने वाले अभ्यास वर्ग में एनसीईआरटी, सीबीएसई डायरेक्टर, भाषा भारती अध्यक्ष सहित शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े अधिकारी और विशेषज्ञ सत्रों में शामिल होंगे। पूरे अभ्यास वर्ग में कुल 22 सत्र होंगे। संस्था के करीब 22 हजार औपचारिक और अनौपचारिक विद्यालय संचालित हैं।

निजी स्कूलों में बोर्ड परीक्षा का सरकारी आदेश खारिज

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने राज्य शासन के निजी स्कूलों में पांचवीं और आठवीं की बोर्ड परीक्षा कराने के आदेश को खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट के इस फैसले से निजी स्कूल संचालकों, पालकों और विद्यार्थियों को राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि अनुदान प्राप्त अशासकीय और अन्य निजी स्कूलों में इस तरह की केंद्रीकृत परीक्षा प्रणाली लागू नहीं होगी। यानी अब ये स्कूल अपने होम एग्जाम ही लेंगे। विभाग ने बोर्ड से मान्यता प्राप्त सभी स्कूलों में 5वीं और 8वीं की बोर्ड परीक्षा आयोजित करने का निर्देश दिया था। इसका विरोध करते हुए निजी स्कूल संघ और अभिभावक संघ ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की थी।

मेट्रो एंकर

गैस रिसाव के मामले में सात साल से ठनी

रिलायंस से सरकार ने 2.81 अरब डॉलर हर्जाना मांगा!

नईदिल्ली, एजेंसी

करीब सात साल पुराने एक मामले को लेकर सरकार अब देश की सबसे मूल्यवान कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और उसकी पार्टनर बीपी एक्सप्लोरेशन (अल्फा) लिमिटेड और नेको पर सख्त है। उसने 2.81 अरब डॉलर यानी करीब 2,45,48,86,25,000 रुपये की मांग की है। रिलायंस ने खुद यह जानकारी दी है। यह विवाद ओएनजीसी के ब्लॉक से केजी ब्लॉक में गैस के रिसाव को लेकर काफी समय से चला आ रहा है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने रिलायंस और उसकी पार्टनर कंपनियों से यह मांग की है। बताया जाता है कि यह मामला 2018 का है। तब सरकार ने केजी कंसोर्टियम पर गैस माइग्रेशन का आरोप लगाया था। इस कंसोर्टियम में रिलायंस भी शामिल है। सरकार का कहना था कि ओएनजीसी के पास वाले ब्लॉक से गैस का रिसाव केजी ब्लॉक में हो रहा है। इसके लिए रिलायंस जिम्मेदार है। शुरुआत में मंत्रालय ने इस रिसाव के लिए लगभग 1.55 अरब डॉलर का मुआवजा मांगा था। यह कानूनी लड़ाई कई अदालती कार्यवाहियों से और उलझ गई। आखिरकार यह मामला दिल्ली उच्च न्यायालय में पहुंच गया। मई 2023 में दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल न्यायाधीश पीठ ने रिलायंस के पक्ष में दिए गए एक मध्यस्थता के फैसले को चुनौती देने वाली सरकार की अपील को खारिज कर दिया था। लेकिन, सरकार ने एक खंडपीठ में अपील की। इसके बाद कल ही अदालत ने पिछले फैसले को पलट दिया। इस फैसले के उलट जाने के बाद पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने अब 2.81 अरब डॉलर की मांग की है। मंत्रालय ने नए कानूनी घटनाक्रम और गैस रिसाव मामले के नए आकलन का हवाला दिया है। रिलायंस ने कहा है कि वह इस नए फैसले को अदालत में चुनौती देगी। रिलायंस और उसकी पार्टनर कंपनियों ने सरकार के आरोपों से इनकार किया है।

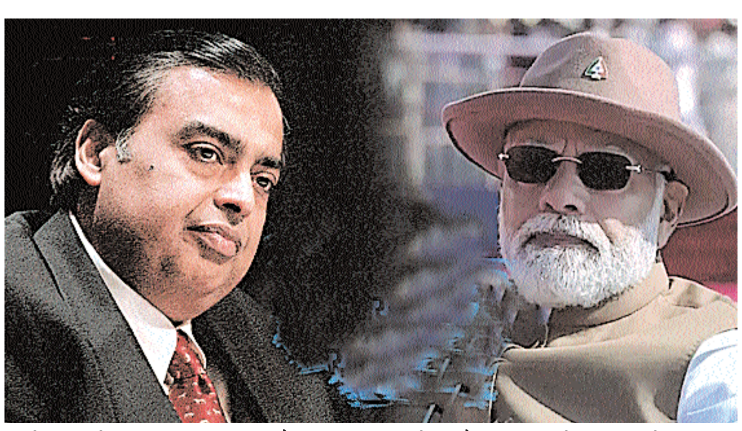

सेबी चीफ रहीं माधवी बुच पर एफआईआर के आदेश पर रोक

मुंबई, एजेंसी

सेबी की पूर्व चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच समेत 6 अधिकारियों पर एएआईआर दर्ज करने के स्पेशल कोर्ट के आदेश पर बॉम्बे हाई कोर्ट ने आज रोक लगा दी। मार्केट रेगुलेटर सेबी ने स्पेशल कोर्ट के इस आदेश को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिस पर जस्टिस एसजी डिगे के समक्ष सुनवाई हुई। मुंबई की एक स्पेशल एंटी-करप्शन कोर्ट ने शेयर फ्रॉड से जुड़े मामले में एफआईआर का आदेश दिया था। यह आदेश स्पेशल जज एसई बांगर ने ठाणे बेस्ड जर्नलिस्ट सपन श्रीवास्तव की ओर से दायर याचिका पर दिया था। सपन ने स्टॉक एक्सचेंज पर कंपनी की लिस्टिंग में बड़े पैमाने पर फाइनेंशियल फ्रॉड और भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था व दावा किया कि उन्होंने और उनके परिवार ने 13 दिसंबर 1994 को कैल्स रिफाइनरीज लिमिटेड के शेयरों में निवेश किया था, जिसमें उन्हें भारी नुकसान हुआ। उन्होंने आरोप लगाया कि सेबी और बीएसई ने कंपनी के अपराधों की अनदेखी की। इसे कानून के खिलाफ लिस्ट किया और निवेशकों के हितों की रक्षा करने में विफल रहे।

शेड की हालत खराब

भोपाल। राजधानी के गोविंदपुर सिक्योरिटी लाइन सब्जी मंडी के शेड की हालत खराब।

एप्रोच सड़क नहीं बनने से सैंकड़ों लोग हो रहे परेशान

एक साल पहले बनी पुलिया पर अभी तक नहीं बनी सड़क

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम के वार्ड 81 में आने वाले भोपानगरी और अकबरपुर के पास में करीब एक साल पहले पक्की पुलिया का निर्माण किया गया था, लेकिन अब तक पुलिया के आसपास एप्रोच सड़क नहीं बनने से सैंकड़ों लोगों को परेशानी हो रही है। वर्तमान में यहां पर स्थिति ज्यादा ठीक नहीं है। आम दिनों में भी यहां पर वाहन चालकों को आवाजाही में बहुत परेशानी उठानी पड़ती है। रहवासियों के आरोप है कि जनप्रतिनिधियों ने पुलिया का निर्माण तो करा दिया, लेकिन आवाजाही वाली सड़क खराब होने से यहां पर बहुत परेशानी हो रही है। यहां पर अभी बड़े-बड़े ईंट के टुकड़े फैलाकर सड़क को आवाजाही लायक बनाया गया है। लेकिन रात के वक्त अंधेरे में ये बड़े-बड़े ईंट के टुकड़े वाहन चालकों के लिए मुसीबत पैदा करते हैं। सभी रहवासियों की मांग है कि तत्काल इस मामले में कार्रवाई करके सड़क बनाई जानी चाहिए।

स्कूली बच्चों को करना पड़ता है संघर्ष

बताया जा रहा है कि इस वार्ड में स्थित भोपानगरी और अकबरपुर में सरकारी स्कूल बने होने के कारण यहां पर आसपास की बस्तियों और कॉलोनियों के बच्चे पढ़ने आते हैं। ऐसे में इस पुलिया से होकर स्कूलों में स्कूली बच्चे पढ़ने जाते हैं। इस कारण रोजाना घरों से निकला गंदा पानी पुलिया के आसपास जमा होता है, जिससे बच्चों के कपड़े खराब हो रहे हैं। रहवासियों की मांग है कि तत्काल इस मामले में काम होना चाहिए।

चार महीने में सिर्फ चूनाभट्टी क्षेत्र में लगाए गए प्लास्टिक के रबल स्ट्रिप

कोलार सिक्सलेन पर सड़क कांग्रेस के नियमों का पूरी तरह से पालन नहीं

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार सिक्सलेन सड़क का काम अब लगभग पूरा हो चुका है। चूनाभट्टी से लेकर गोल तिराहे तक सीसी वर्क का काम पूरा होने के बाद अब यहां पर लोक निर्माण विभाग द्वारा दूसरी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही है, ताकि आवाजाही करने वाले वाहन चालकों को सुविधा हो सके। करीब चार महीने पहले चूनाभट्टी क्षेत्र स्थित गोविंद नारायण सिंह मॉडल टाउन के सामने सड़क में दोनों तरफ ट्रैफिक कंट्रोल के लिए प्लास्टिक रबल स्ट्रिप लगाकर स्पीड ब्रेकर बनाए गए थे। यहां पर तिराहा होने के कारण वाहनों की रतार कम करने के लिए स्पीड ब्रेकर लगाए है। ऐसे में अब अन्य इलाकों के रहवासियों की मांग है कि लोक निर्माण विभाग को कोलार रोड पर डॉ. गोविंद नारायण सिंह मॉडल टाउन तिराहा की तरह लगाए स्पीड ब्रेकर सभी तिराहों और चौराहों के पहले रबल स्टिप लगाने चाहिए, ताकि वाहनों की रतार में नियंत्रण लगाया जा सके। कुछ महीनों पहले इस संबंध में समाजसेवी राहुल सिंह राठौर ने लोक निर्माण विभाग के आला अधिकारियों को ज्ञापन भी सौंपा था। इस दौरान अफसरों ने जल्द ही काम करने का आश्वासन दिया था।

नाली के अभाव में सड़कों पर फैल रहा है पानी

जर्जर पानी टंकी से हादसे की आशंका, बार-बार शिकायत के बाद भी रहवासियों की नहीं हो रही है सुनवाई, लोग हो रहे हैं परेशान

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

कोलार के वार्ड 80 में स्थित बंजारी सोसायटी कॉलोनी के रहवासियों को इन दिनों कॉलोनी में पैदल चलना परेशानी भरा सबब बन गया है। कॉलोनी में नालियों के अभाव में घर से निकलने वाला पानी पूरी सड़क पर फैलता है। ऐसे में गंदा पानी सड़क पर जमा हो जाता है। जलभराव के कारण वाहन से चलना तो ठीक, लेकिन पैदल चलने वालों के लिए मुसीबत हो रही है। रहवासियों का कहना है कि पहले नगर पालिका और अब नगर निगम कॉलोनी में सड़क तो बना रहा है, लेकिन उसके साथ नालियां नहीं बनाने से रहवासी परेशान हो रहे हैं। निगम प्रशासन को आगामी प्लानिंग में सड़कों के साथ नालियों का भी प्रावधान बनाना चाहिए, जिससे सड़कें भी बची रहें और जनता को भी सुविधा हो सके। लोगों का कहना है कि कॉलोनी में समय-समय पर सड़कें बनाई गई, लेकिन नालियों के अभाव में अब सड़कों पर पानी भरता है। रोजाना घरों से निकलने वाले पानी से कॉलोनी की सड़कें खराब हो रही हैं। इससे आवागमन में परेशानी होती है। बंजारी कॉलोनी में 90 के दशक में बंजारी समिति द्वारा हनुमान मंदिर के पास ओपन स्पेस में पानी की टंकी बनाई गई थी। वह काफी ज्यादा जर्जर और पुरानी हो चुकी है। इसे जल्द से जल्द हटाना चाहिए। वहीं जिम्मेदारों का कहना है कि शिकायत आई है। बंजारी कॉलोनी में सड़कों के साथ नाली और खुदी सड़कों के रेस्टोरेशन के नाम पर जल्द ही अफसरों से चर्चा की जाएगी। सुझाव पर सभी समस्याओं को हल भी किया जाएगा।

चौराहे से हमीदिया अस्पताल साइड के लिए खुले बैरिकेट्स, आमजन को मिली सुविधा

लंबे समय से अग्रसेन चौराहे से जुड़े मार्ग को रखा गया था बंद

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

अग्रसेन चौराह पीरगेट से हमीदिया अस्पताल, फायर बिग्रेड की ओर जाने वाले रास्ते पर लगे बेरिकेट्स हटने से लोगों को चौराहे पर जाम से निजात मिल गई है। हमीदिया अस्पताल के नए ब्लॉक इस ओर ही बने है। उसमें उपचार से सभी विभाग शिट होने से मरीज और उनके परिजन व एबुलैंस की आवाजाही इन दोनों गेटों पर बढ़ गई है। हमीदिया अस्पताल के दोनों मुय गेट भी इस साइड पर ही बने होने से बड़ी संया में मरीज व उनके परिजन यहां से अस्पताल जाने की सुविधा मिल गई है। बेरिकेट्स लगने होने से इस चौराहे पर जाम की स्थिति बनी रहती थी। खासतौर पर स्कूल, कॉलेज की बसों के टाइम पर इस चौराहे पर सबसे अधिक जाम लग जाता था। लोगों का कहना है कि हमेशा के लिए प्रशासन को इस मार्ग को खोल देना चाहिए। क्योकि फायर ब्रिगेड साइड के रोड भी जाम रहता है। जाम में फंसने वाले वाहन इस चौराहे से अन्य मार्ग पर शिट हो सकते हैं। हमीदिया अस्पताल जाने के लिए भी लोगों की दिक्कत कम हो जाएगी। बताया गया कि नॉनवेज की होटले चौराहे से लगी होने के कारण लोगों को आवागमन में दिक्कत होती थी।

शोभा सिंघल के नेत्र सेवा सदन को दान में मिले

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो। अयोध्या नगर, भोपाल निवासी शोभा देवी सिंघल (ओसवाल) का निधन 1 मार्च को हो गया। दिवंगत प्राणी के पुत्र प्रेमेन्द्र सिंघल ने अपनी माता की आंखें सेवासदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवासदन अस्पताल ने अभी तक 2201 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। प्रबंधन ट्रस्टी ए.सी. साधवानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

पुलिस में 8500 पदों पर होगी भर्ती

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र पुलिस में आरक्षक के 8,500 पदों पर शीघ्र भर्ती शुरू होगी। डीजीपी कैलाश मकवाना ने बताया कि राज्य में सवा लाख पुलिस बल के स्वीकृत पदों में करीब 25 हजार पद रिक्त हैं। हाल ही में 7,500 पदों पर भर्ती प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद अब नई भर्तियों की तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। बता दें, इन नियुक्ति के बाद भी मप्र पुलिस बल में करीब 10 हजार पद रिक्त रहेंगे। इसमें भर्ती पर भी सरकार विचार कर सकती है।

मेट्रो एंकर

विजयनगर सिंधी पंचायत ने चैतीचांद की तैयारियां शुरू की

पंचायत करवाएगी हिंगलाज माता के दर्शन: आनंद

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

विजय नगर सिंधी पंचायत दो दिनी कार्यक्रमों के बीच भगवान श्रीझूलेलालजी का जन्म उत्सव मनाएगी। आयोजन के लिए पंचायत पदाधिकारियों की बैठक हुई, जिसकी अध्यक्षता आनंद सबधाणी ने की। बैठक में निर्णय लिया गया कि विजय नगर, ओमनगर, सावननगर, वल्लभनगर एवं अन्य लालघाटी क्षेत्र की कॉलोनियों के रहवासी चैतीचांद का पर्व मनाएंगे। बैठक की जानकारी देते हुए सबधाणी ने बताया कि चैतीचांद की रूपरेखा तय करने के साथ तय किया गया है कि पंचायत हर साल सदस्यों एवं उनके परिजन किसी धार्मिक स्थल पर जाएंगे। जिसकी शुरुआत इसी माह छिन्दवा?ा के समीप स्थित समाज की कुल देवी हींगलाज माता मंदिर के दर्शन के साथ होगी। माता के दर्शन के लिए जाने वाले के संयोजक नंदलाल मोतियानी के मोबाइल नंबर 9826527826 पर रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं। पंचायत उपाध्यक्ष राधेश्याम नाथानी ने बताया कि इस बार भगवान श्री झूलेलाल की मूर्ति स्थापना 29 मार्च 2025 को शाम 7 बजे श्री हरिसेवा गंगा दरबार में की जाएगी। चैतीचांद के दिन 30 मार्च 202 को प्रातः 9 बजे श्री हरि सेवा गंगा दरबार से शोभा यात्रा प्रारंभ होगी, जो विजय नगर, वल्लभनगर, ओमनगर, सावन नगर से होते हुए वापस हरिसेवा गंगा दरबार में समाप्त होगी। दोपहर तीन बजे सिंधी सेंट्रल पंचायत के द्वारा आयोजित संपूर्ण भोपाल के कार्यक्रम में जाने के लिए झांकी के साथ बस से समाजजन प्रस्थान करेंगे। बैठक में मुख्य सलाहकार इन्द्रदास मेघानी, उपाध्यक्ष नन्दलाल मोतियानी, मनोहर आसुदानी, अर्जुन वाधवानी, कोषाध्यक्ष हीरानंद ग्वालानी, महासचिव किशनआसुदानी, सचिव बी.डी चांदवानी एवं अन्य कोरकमेटी के मेंबर्स उपस्थितरहे।

जीआईएस में मिला 850 करोड़ का निवेश प्रस्ताव, अगले सप्ताह भूमिपूजन

30.77 लाख करोड़ के प्रस्तावों की निगरानी के लिए 6 स्तरीय निगरानी व्यवस्था भी बनाई

सीएम बोले- जो निवेश प्रस्ताव में तुरंत काम शुरू करने की जरुरत, उन पर पहले काम

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (जीआइएस) को दो सप्ताह हो रहे हैं। इसमें मिलने वाला 850 करोड़ का एक प्रस्ताव अगले सप्ताह जमीन पर उतरने वाला है। यह सौर ऊर्जा से जुड़ा प्रस्ताव है, जिसके तहत नीमच में प्लांट लगाया जाना है। सीएम डॉ. मोहन यादव और संबंधित उद्योगपति समूह द्वारा मिलकर अगले सप्ताह इसके काम की नींव रखने वाले हैं। इसके अलावा भी जीआईएस व रीजनल समिट में मिले 30.77 लाख करोड़ के प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए सरकार ने काम तेज कर दिया है। सरकार ने 6 स्तरीय निगरानी व्यवस्था बना दी है। असल में सीएम डॉ. मोहन यादव ने सीएस अनुराग जैन के साथ सोमवार एसीएस व पीएस स्तर के अधिकारियों की बैठक बुलाई थी। जिसमें प्रस्तावों पर बारी-बारी से चर्चा की अधिकारियों ने बताया कि एमपीआईडीसी द्वारा निवेश प्रस्तावों की स्क्रीनिंग और डेटा प्रविष्टि कर उनका विभागवार वर्गीकरण किया जाएगा। संबंधित विभाग निवेश राशि के आधार पर क्षेत्रीय कार्यालय, मुख्यालय और विभाग स्तर पर प्रस्तावों का फॉलो-अप करेंगे। प्रत्येक विभाग में रिलेशनशिप मैनेजर की नियुक्ति की जाएगी, जो कामों को आगे बढ़ाएंगे। विभाग के प्रमुख सचिव प्रति सप्ताह प्रगति की समीक्षा कर सीएस को रिपोर्ट देंगे। सीएस इस आधार पर प्रत्येक माह समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री हर दो महीने में समीक्षा करेंगे। अधकिारियों के मुताबिक विभागों को निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए भूमि आवंटन, अनुमोदन और आवश्यक मंजूरियों के लिए प्राथमिकता के आधार पर काम करने होंगे और कलेक्टरों को निवेश से जुड़े काम प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाने होंगे। निवेशकों के लिए प्लग-एंड-प्ले सुविधा विकसित की जाएगी। एमपी इन्वेस्टर पोर्टल को और अधिक प्रभावी बनाया जाएगा।

आदिवासी समाज को खुश करने जनजातीय देवलोक बनाएगी प्रदेश सरकार

भोपाल। आदिवासियों के लिए जनजातीय देवलोकों का निर्माण कराया जाएगा। ये काम उन स्थानों पर होंगे, जहां पूर्व से समाज के पूजा स्थल मौजूद है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने इसको लेकर सोमवार देर शाम एक बैठक बुलाई, जिसमें अधिकारियों को प्रदेश के सभी देव स्थलों को चिन्हित कर उनके जीर्णोद्धार करने संबंधी योजना बनाने के निर्देश दिए। सरकार के इस कदम से आदिवासी समाज की वर्षों पुरानी समस्याओं को खत्म किया जा सकेगा।

आदिवासी समाज के देव स्थल: आदिवासी समाज के लोग देव पूजा करते हैं। इस पूजा के लिए प्रत्येक गांवों में देवखलियान अथवा देव स्थल है। ये ऐसे धार्मिक पूजा स्थल हैं, जहां समाज के लोग समय-समय पर जुटते हैं, और परिवार के सदस्यों के साथ-पूजा अर्चना व आराधना करते हैं। इन स्थलों पर सबकी अपनी–अपनी पूजा पद्धतियां है। मंडला आदि क्षेत्रों में आदिवासी समाज साजा के पेड़ की पूजा करते हैं, इसी वृक्ष में उनके देव का निवास माना जाता है।

आदिवासी समाज इसलिए देव स्थलों के जीर्णोद्धार की कर रहा मांग: जानकारों के मुताबिक ज्यादातर आदिवासी बाहुल्य गांवों में ये स्थल ऐसे स्थान पर स्थापित थे, जो किसी न किसी की निजी जमीन है, बाकी के स्थल वन और सरकारी जमीन पर है। समय के साथ उक्त जमीनों का उपयोग शुरू हुआ और ये स्थल घिरते गए।

यूनिक फार्मर आईडी बनाने में मप्र सबसे अव्वल

भोपाल। मध्यप्रदेश यूनिक फार्मर आईडी बनाने में अन्य राज्यों की तुलना में सबसे आगे चल रहा है। अब तक लक्ष्य के विरुद्ध 57 लाख से अधिक किसानों की उक्त आईडी जनरेट कर दी गई है। जबकि अन्य राज्यों, लक्ष्य के अनुरूप पिछड़े हुए है। यह किसानों का एक तरह से डेटा बैंक है, जिसमें पूरा लेखा-जोखा शामिल किया है। सरकार उक्त आइडी के जरिए किसानों को प्रत्येक योजनाओं का लाभ आसान तरीके से दे सकेगी, किसानों को भी प्रत्येक योजनाओं के लिए अलग-अलग दस्तावेज व जानकारी देने की जरुरत नहीं पड़ेगी, केवल यूनिक आइडी बताने भर से काम चल जाएगा। उल्लेखनीय है कि मध्यप्रदेश में 95 लाख किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मिलती है, केंद्र ने इतने ही किसानों की आईडी जनरेट करने का लक्ष्य दिया था, जिसमें से मप्र ने 28 फरवरी तक 57 लाख किसानों की आईडी जनरेट कर दी है। जबकि गुजरात ने जो लक्ष्य मिला है, उसमें से 40 लाख, महाराष्ट्र ने 65 लाख, आंध्रप्रदेश ने 28 लाख, उत्तरप्रदेश ने 1.20 करोड़, तमिलनाडु ने 17 लाख, राजस्थान ने 20 लाख, छत्तीसगढ़ ने 5.60 लाख, असम ने 2.93 लाख, ओडिशा ने 1 लाख के किसानों की यूनिट आईडी जनरेट की है।

इग्नू का 38वां दीक्षांत समारोह कल होगा, छात्रों को मिलेगी उपाधि

मुख्य आयोजन इग्नू नई दिल्ली में होने के साथ ही 39 क्षेत्रीय केन्द्रो में पर भी होगा

भोपाल। राजधानी स्थित इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का 38वां दीक्षांत समारोह आगामी 5 मार्च को सुबह 11 बजे से आयोजित किया जाएगा। मुख्य कार्यक्रम इग्नू नई दिल्ली में आयोजित किया जाएगा। दीक्षांत समारोह का मुख्य आयोजन इग्नू नई दिल्ली में किया जाएगा। इसके साथ ही 39 क्षेत्रीय केन्द्रो में पर भी आयोजन किया जाएगा। भोपाल में दीक्षांत समारोह का आयोजन अरेरा हिल्स स्थित क्षेत्रीय केन्द्र पर किया जायेगा और भोपाल के दीक्षांत कार्यक्रम में प्रो. सुरेश कुमार जैन, कुलगुरु बरकतउल्ला विश्वविद्यालय विशिष्ट अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे तथा उपाधि धारक को संबोधित करेंगे। इस दीक्षांत समारोह में परास्नातक, स्नातक एवं व्यवसायिक स्तर के चिन्हित पाठ्यक्रमों के छात्रों को व्यक्तिगत रूप से उपाधि प्रदान की जायेगी तथा शेष सभी अभ्यर्थियों को दीक्षांत समारोह के पश्चात उपाधियां डाक द्वारा भेज दी जायेंगी। इस कार्यक्रम में लगभग 300 से भी अधिक विद्यार्थियों के आने की संभावना है।

31 जिलों से 2004 विद्यार्थियों को उपाधियां: डॉ. बिनी टॉम्स, वरिष्ठ क्षेत्रीय निदेशक, भोपाल ने बताया कि क्षेत्रीय केन्द्र भोपाल के अंतर्गत आने वाले 31 जिलों से 2004 विद्यार्थियों को उपाधियां प्रदान की जा रही है, जिनमें 867 मास्टर लेवल प्रोग्राम, 507 ग्रेजुएशन लेवल प्रोग्राम, 430 पी.जी. डिप्लोमा एवं डिप्लोमा तथा 200 उपाधियां सर्टिफिकेट प्रोग्राम के लिए। क्षेत्रीय निदेशक ने यह भी बताया, कि इग्नू क्षेत्रीय केंद्र भोपाल पर संचालित मॉडल अध्ययन केंद्र कोड-1500 से जु? हुए 383 विद्यार्थियों को की उपाधि प्रदान की जाएंगी जो संख्या पूर्व के वर्षो से बहुत अधिक है।

डिग्री विद्यार्थियों के पते पर 15 दिन में भेजी जाएगी: डॉ अंशुमान उपाध्याय, अपर निदेशक ने बताया क्षेत्रीय केंद्र भोपाल के अंतर्गत कुल 1210 विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी एवं 85 विद्यार्थियों को प्रथम श्रेणी विद डिस्टिंक्शन के साथ उपाधियां प्रदान की जा रही हैं।

संपादकीय

अब नए आयोग से उम्मीदें

देश में मौजूदा नियमों मे कटौती करना और नए निवेश के लिए अनुकूल माहौल तैयार करने वाले 'विनियमन आयोग' का गठन कर केंद्र की सरकार ने अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। इसका उद्देश्य है। पुराने नियमन को हटाने की बात कुछ सप्ताह पहले संसद में पेश की गई आर्थिक समीक्षा और केंद्रीय बजट में भी कही गई थी। अब महत्त्वपूर्ण बात यह है कि विनियमन का काम कितनी गहराई से और कितने टिकाऊ स्तर पर किया जाएगा। 'जन विश्वास' नामक एक विधेयक पहले ही पारित किया जा चुका है जो कुछ नागरिक अपराधों की आपराधिकता को समाप्त करता है। वादा किया गया है कि ऐसा ही एक अन्य विधेयक लाकर तकरीबन 100 छोटे-मोटे अपराधों की आपराधिकता समाप्त की जाएगी। उनकी जगह जुर्माने की व्यवस्था की जाएगी। ये अहम कदम हैं। परंतु इनकी बदौलत दृष्टिकोण में बदलाव नहीं आएगा बल्कि दशकों से बनी दमनकारी राज्य मशीनरी के दंडात्मक पहलुओं को कम किया जाएगा। सरकार को नए आयोग से कहना चाहिए कि वह सभी वर्तमान नियमन का व्यापक आकलन करे। उनका हर कोण से आकलन होना चाहिए। यानि उन्हें जिस उद्देश्य से बनाया गया था क्या वे अभी भी प्रासंगिक हैं? दूसरा, क्या वे उद्देश्य प्राप्ति में सफल रहे? तीसरा, उन्होंने नागरिकों, उद्यमियों और निवेशकों पर क्या लागत डाली। इस लागत की लाभ से तुलना करनी चाहिए ताकि पता चल सके। आदर्श स्थिति में ऐसी कवायद नियमन लाने के पहले पारदर्शी तरीके से अंजाम दी जानी चाहिए। परंतु ऐसा शायद ही कभी हुआ हो कि सरकार या स्वतंत्र नियामकों ने ऐसा किया हो। यह अच्छी आदत नहीं है और अन्य उदार लोकतांत्रिक देशों के विपरीत है। यहां तक कि उच्च नियमन वाले यूरोपीय देशों से भी अलग। नीतिगत बदलावों के सार्वजनिक जोखिम और पुरस्कार आकलन का अभाव और नियम निर्माण की कमी, समग्र नीतिगत ढांचे को नहीं बल्कि एक व्यापक दृष्टिकोण को दर्शाता है जो अफसरशाही को मजबूत बनाता है। विनियमन आयोग को इस रुख से दूरी बनानी होगी। इस लिहाज से देखे तो आयोग के कर्मचारियों की नियुक्ति एक अहम चयन होगा। इसमें सेवानिवृत्त कर्मचारियों को नहीं भर लिया जाना चाहिए जो यही मानते हैं कि विनियमन में सुधार होना चाहिए। किसी एक विनियमन की लागत चाहे जो भी नजर आए, उसकी वास्तविक लागत निस्संदेह तब अधिक होती है जब यह ढेर सारे कानूनों और प्रतिबंधों के समूह का हिस्सा होता है जो राज्य के रुख को दर्शाता है। समग्रता में यह टुकड़ों की तुलना में अधिक होता है। यह भारत के नियामकीय ढांचे की जटिल और आंतरिक स्तर पर विरोधाभासी स्थिति है जो किसी अन्य चीज से अधिक निवेशकों के उत्साह को कम करने और विनियमन वाले क्षेत्रों में नई पूंजी के निवेश की उनकी इच्छा को कम करती है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि उदाहरण के लिए विनिर्माण क्षेत्र में ऑनलाइन खुदरा व्यापार या ऐप अर्थव्यवस्था की तुलना में बहुत कम उत्साह नजर आता है। भले ही पहला क्षेत्र सरकार की प्राथमिकता में हो लेकिन बाद वाले क्षेत्र में नियामक तंत्र बहुत कम दखल देने वाला है। सार्वजनिक निवेश को नई गति देने के लिए सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि निवेशक यह मानें कि उनके सामने एक नई पेशकश की जा रही है जो अतीत से अलग है। यह महत्त्वपूर्ण होगा कि सभी राज्य इस मिशन में सहयोग करें ताकि देश को निवेशकों के अनुकूल बनाया जा सके। बीते दशक में और इस सरकार के सत्ता में रहते यह प्रयास बार-बार किया गया है कि कारोबारियों के अनुकूल निवेशक नीतियों को प्राथमिकता के रूप में दर्शाया जाए। माना जाना चाहिये कि विनियमन को अगर सही ढंग से अंजाम दिया जाएगा और वह समूची अपेक्षाओं और प्रतिबध्दताओं को पूरा करेगा और लोगों को लालफीताशाही से निजात मिलेगी !

फूलों की सुगंध हवा की दिशा में ही फैलती है। लेकिन इंसान की अच्छाई हर दिशा में फैलती है।

-चाणक्य

आज का इतिहास

- 1788 = कलकत्ता गजट का प्रकाशन शुरू। आज इसे 'गजट ऑफ गवर्नमेंट ऑफ वेस्ट बंगाल' के नाम से जाना जाता है।
- 1858 = ब्रिटिश अधिकारी जे पी वॉकर तकरीबन 200 कैदियों को लेकर कोलकाता से अंडमान और निकोबार के लिए रवाना। इन लोगों में ज्यादातर 1857 के विद्रोह के आरोपी थे।
- 1879 = लड़कियों को उच्च शिक्षा देने के लिए कलकत्ता में बेथुन कॉलेज की स्थापना। यह ब्रिटेन से बाहर पहला महिला कॉलेज था।
- 1933 = फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट ने अमेरिका के 32वें राष्ट्रपति के तौर पर पदभार संभाला।
- 1951 = नयी दिल्ली में पहले एशियाई खेलों का आयोजन।
- 1961 = भारत के पहले विमान वाहक पोत आईएनएस विक्रांत ने सेना के लिए अपनी सेवाएं देनी शुरू की।
- 1975 = मूक सिनेमा के बेहतरीन अभिनेता चार्ली चैपलिन को 85 वर्ष की उम्र में नाइट की उपाधि प्रदान की गई। अपने अनूठे हावभाव से कभी चेहरे पर मुस्कान तो कभी आंखों में पानी ला देने वाले 'सर चार्ल्स' को देर से ही सही, उनकी सशक्त अदाकारी का सम्मान मिला।
- 1980 = जिम्बाब्वे के राष्ट्रवादी नेता रॉबर्ट मुगाबे ने चुनाव में भारी जीत हासिल की। मुगाबे जिम्बाब्वे के प्रथम अश्वेत प्रधानमंत्री बने।
- 2009 = राजस्थान के पोकरण से ब्रह्मोस मिसाइल के नये संस्करण का परीक्षण।
- 2022 = ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज विकेटकीपर बल्लेबाज रोड मार्श का 74 वर्ष की आयु में निधन।
- 2024 = शहबाज शरीफ ने दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री पद की शपथ ली।

निशाना

चर्चा में कुमार !

-कृष्णेन्द्र राय

ठीक न रहता स्वास्थ्य ।
चर्चा में कुमार ।।
होगा कौन वारिस ?
मामला अधिकार ।।
कहा सुनी पल पल ।
पांव रही पसार ।।
नये कुछ समीकरण के ।
बन रहे आसार ?
राजनीति में अवसर की ।
है हर पल तलाश ।।
कौन कहां पर कैसे ।
बन जाता है खास ।।
देखते हैं किस करवट ।
बैठता है ऊंट ?
लंबा है गठबंधन ।
सम्बंध पर अटूट ?

स्टालिन का युद्ध शिक्षा नीति से या भारत की सत्ता और संस्कृति से

■ आलोक मेहता

लोकतंत्र में भाषा , क्षेत्र या सम्प्रदाय के नाम पर संवैधानिक पद पर बैठा मुख्यमंत्री युद्ध की घोषणा करते हुए उग्र आंदोलन से प्रदेश और देश में अशांति अराजकता की स्थिति कैसे बना सकता है ? लेकिन तमिल इलम की तरह अलग पहचान अलग देश के लिए लिट्टे जैसे उग्रवादी संघर्ष की बातें कहाँ तक उचित कही जा सकती है तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन उसी तरह की धमकियां अपनी सत्ता पार्टी और अगले साल होने वाले तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए अपना रहे हैं उन्होंने खुले आम एलान किया है कि हमारा राज्य एक और भाषा युद्ध के लिए तैयार है। नई शिक्षा नीति को राज्य में लागू नहीं होने देंगे। जबकि नई शिक्षा नीति में हिंदी या किसी भाषा की अनिवार्यता यानी थोपने जैसा एक शब्द नहीं है वहीँ सबसे आश्चर्य और दुखद बात यह है कि कांग्रेस पार्टी इस मुद्दे पर स्टालिन के साथ है जबकि संविधान के प्रावधान के तहत राष्ट्र भाषा हिंदी के उपयोग और त्रिभाषा नीति सबसे पहले कांग्रेस की प्रधान मंत्री इंदिरा गाँधी ने पार्टी विभाजन से पहले लागू की थी और तमिलनाडु सहित दक्षिण भारत के दिग्गज नेता उनके साथ शीर्ष पदों पर थे सोनिया राहुल गाँधी के नेतृत्व वाली कांग्रेस पार्टी ने तो राजीव गाँधी हत्या कांड में स्टालिन की पार्टी डी एम् के पर लिट्टे के साथ गहरे सम्बन्ध और हत्या में सहयोग की आशंका तक के आरोप लगाए थे यह बात भी दुनिया जानती है कि इंदिरा राजीव युग में तमिलनाडु के रामेश्वरम क्षेत्र में लिट्टे के अनेक उग्रवादी शरण लिए हुए थे और श्रीलंका के करीबी इलाके में आज़ाद तमिल देश बनाने की तैयारियां कर रहे थे वह तो सफल नहीं हुए , लेकिन डी एम् के ने धीरे धीरे तमिलनाडु में कांग्रेस का सफाया सा कर दिया स्टालिन ने कहा है कि 1965 से ही डी एम् के ने मातृभाषा तमिल की रक्षा के लिए अनेक बलिदान दिए हैं पार्टी का हिंदी से मातृभाषा तमिल की रक्षा करने का इतिहास रहा है 1971 में कोयंबटूर में डीएमके की छात्र यूनिट ने हिंदी विरोधी सम्मेलन में कहा था कि वह बलिदान देने के लिए तैयार हैं मातृभाषा की रक्षा करना पार्टी के सदस्यों के खून में है यह भावना उनके जीवन के अंत तक कम नहीं होगी आजादी से पहले 1937 में अंतरिम कांग्रेस सरकार ने स्कूलों में हिंदी को अनिवार्य करने का फैसला लिया था इस फैसले के खिलाफ करीब 3 साल तक चला आंदोलन सी. राजागोपालाचारी के इस्तीफे के बाद फैसले को वापस लिया गया हिंदी विरोधी इसी आंदोलन को डी एम् के की शुरुआत माना जाता है1950 में केंद्र सरकार ने स्कूलों में अंग्रेजी खत्म करने और हिंदी को वापस लाने से जुड़ा फैसला लिया तमिलनाडु में फिर से हिंदी विरोधी आंदोलन शुरू हो गया 7बाद में एक समझौते के बाद हिंदी को वैकल्पिक भाषा बनाने का फैसला हुआ 7 फिर 1986 में इंदिरा राज में शिक्षा नीति लागू की गई 1992 में इस नीति में कुछ संशोधन किए गए थे 34 साल बाद 2020 में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक नई शिक्षा नीति को स्वीकृति देकर लागू करने की प्रक्रिया शुरु की पूर्व इसरो प्रमुख के कस्तूरीरंगन की अध्यक्षता में विशेषज्ञों की एक समिति ने सैकड़ों लोगों तथा विभिन्न राज्यों से सलाह के बाद इसका मसौदा तैयार किया था उन्हें किसी राजनीति से मतलब नहीं था यह बहुत महत्वपूर्ण नीति भारत के भविष्य निर्माण का कदम माना गया इसलिए पुरानी और नई नीतियों को लेकर 2022 के प्रारम्भ में मेरी एक किताब शिक्षा में नव क्रांति का शंखनाद भी प्रकाशित हुई इस दृष्टि से मैं यह कह सकता हूँ कि नई शिक्षा नीति में पाँचवी क्लास तक मातृभाषा, स्थानीय या क्षेत्रीय भाषा में पढ़ाई का माध्यम रखने की बात कही गई है 2020 की नई शिक्षा नीति के तहत हर राज्य के छात्रों को तीन भाषाएं सीखनी होंगी,जिसमें हिंदी भी शामिल है.इस नीति के तहत

बच्चों को हिंदी समेत तीन भाषाओं का ज्ञान होना चाहिएपहली भाषा राज्य की मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा होगी दूसरी भाषा कोई अन्य हो सकती है हिंदी अनिवार्य भाषा नहीं है राज्य अपने हिसाब से दूसरी भाषा चुन सकते हैं तीसरी भाषा अंग्रेजी या कोई और विदेशी भाषा हो सकती है इसे क्लास आठ या उससे आगे भी बढ़ाया जा सकता है नई शिक्षा नीति दास्तावेज में यह भी लिखा हुआ है कि किसी भी भाषा को थोपा नहीं जाएगा नई शिक्षा का लक्ष्य 2030 तक 3-18 आयु वर्ग के प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता है 2 से 8 वर्ष की आयु के बीच बच्चे बहुत तेज़ी से भाषाएँ सीखते हैं और बहुभाषावाद से युवा छात्रों को बहुत संज्ञानात्मक लाभ होता है, इसलिए बच्चों को प्रारंभिक अवस्था से ही विभिन्न भाषाओं से परिचित कराया जाएगा (लेकिन मातृभाषा पर विशेष जोर दिया जाएगा)। संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित सभी भाषाओं में बड़ी संख्या में भाषा शिक्षकों में निवेश करने के लिए केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की ओर से एक बड़ा प्रयास किया जाएगा। राज्य, विशेष रूप से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के राज्य, अपने-अपने राज्यों में त्रि-भाषा सूत्र को संतुष्ट करने के लिए और देश भर में भारतीय भाषाओं के अध्ययन को प्रोत्साहित करने के लिए एक-दूसरे से बड़ी संख्या में शिक्षकों को नियुक्त करने के लिए द्विपक्षीय समझौते कर सकते हैं। विभिन्न भाषाओं के शिक्षण और सीखने और भाषा सीखने को लोकप्रिय बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का व्यापक उपयोग किया जाएगा। भारतीय भाषाओं और अंग्रेजी में उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा के अलावा, कोरियाई, जापानी, थाई, फ्रेंच, जर्मन, स्पेनिश, पुर्तगाली और रूसी जैसी विदेशी भाषाएं भी माध्यमिक स्तर पर पढ़ाई जाएंगी, ताकि छात्र विश्व की संस्कृतियों के बारे में जान सकें और अपनी रुचि और आकांक्षाओं के अनुसार अपने वैश्विक ज्ञान और गतिशीलता को समृद्ध कर सकें। संवैधानिक प्रावधानों, लोगों, क्षेत्रों और संघ की आकांक्षाओं और बहुभाषिकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए त्रि-भाषा सूत्र का कार्यान्वयन जारी रहेगा। हालाँकि, त्रि-भाषा सूत्र में अधिक लचीलापन होगा और किसी भी राज्य पर कोई भाषा नहीं थोपी जाएगी। बच्चों द्वारा सीखी जाने वाली तीन भाषाएँ राज्यों, क्षेत्रों और निश्चित रूप से छात्रों की अपनी पसंद होंगी, जब तक कि तीन भाषाओं में से कम से कम दो भारत की मूल भाषाएँ हों । विशेष रूप से, जो छात्र अपनी पढ़ाई की तीन भाषाओं में से एक या अधिक को बदलना चाहते हैं , वे कक्षा 6 या में ऐसा कर सकते हैं, जब तक कि वे माध्यमिक विद्यालय के अंत तक तीन भाषाओं (साहित्य स्तर पर भारत की एक भाषा सहित) में बुनियादी दक्षता प्रदर्शित करने में सक्षम हों। सभी भारतीय भाषाओं के लिए संरक्षण, विकास और उन्हें और जीवंत बनाने के लिए नई शिक्षा नीति में पाली, फ़ारसी और प्राकृत भाषाओं के लिए एक इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ़ ट्रांसलेशन एंड इंटरप्रिटेशन (आईआईटीआई), राष्ट्रीय संस्थान की स्थापना करने, उच्च शिक्षण संस्थानों में संस्कृत और सभी भाषा विभागों को मज़बूत करने और ज़्यादा से ज़्यादा उच्च शिक्षण संस्थानों के कार्यक्रमों में, शिक्षा के माध्यम के रूप में मातृभाषा/ स्थानीय भाषा का उपयोग करने की व्यवस्था की गई है 7एक तरफ शास्त्रीय भाषाओं तमिल , संस्कृत , कन्नड़ , तेलुगु , मलयालम , एवं उड़िया से जुड़े संस्थाओं के अकादमिक महत्त्व के देखते हुए उनको विभिन्न विश्वविद्यालयों से जोड़ने का सुझाव है, तो पालि, प्राकृत एवं फारसी भाषाओं के लिए नए संस्थान बनाने पर भी ज़ोर दिया गया है, ताकि देश के कला, इतिहास एवं परंपरा आदि पर बेहतर शिक्षण एवं शोध हो सके। साथ ही इसमें अनुवाद के नाम पर एक अलग से संस्थान बनाने की पेशकश की गई है, जो निश्चित रूप से भारतीय बहुभाषिकता एवं इनमें निहित ज्ञान को सामने लाने का एक बेहतर प्रयास हो सकता है। स्टालिन के जवाब में केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने कहा है कि ÷वह एक काल्पनिक लड़ाई में लगे हुए हैं जिसका जमीनी हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। वह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध करके अपने शासन की कमी को छिपाने की कोशिश कर रहे हैं। स्टालिन राष्ट्रीय शिक्षा नीति में एक भी वाक्य दिखाएं जो दिखाता है कि हिंदी जैसी कोई भी भाषा किसी भी राज्य पर थोपी जा सकती है। एनईपी में पहली शर्त यह है कि छात्रों को कक्षा 8 तक उनकी मातृभाषा में शिक्षा दी जानी चाहिए। अपनी मातृभाषा में पढ़ने वाले बच्चों को आलोचनात्मक विचारक और अच्छे निर्णय लेने वाले बनने के लिए पोषित किया जा सकता है।÷स्टालिन जी भाषा का मुद्दा उठाकर अपनी शासन संबंधी कमियों को छिपाने का निरर्थक प्रयास कर रहे हैं। यहां तक कि मेरे राज्य ओडिशा में भी सीमावर्ती क्षेत्रों में तेलुगू, बंगाली और हिंदी पढ़ाई जा रही है। फिर समस्या कहां है? केंद्रीय मंत्री ने कहा है ÷तमिलनाडु के सीमावर्ती क्षेत्रों में भी स्कूलों में तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ पढ़ाई जा रही है। मुझे लगता है कि स्टालिन जी राजनीतिक मजबूरी का सामना कर रहे हैं, जिसका जमीनी हकीकत से कोई लेना-देना नहीं है। पहले हमारी कई दौर की बातचीत हुई थी और यहां तक कि मुख्यमंत्री भी सहमत थे, लेकिन बाद में वे पीछे हट गए। ऐसा लगता है कि उनकी पार्टी में एक नया नेतृत्व उभर रहा है जो एनईपी का विरोध करना चाहता है। स्टालिन जी को अपनी सरकार पर भरोसा नहीं है और मतदाताओं को जवाब देने से बचने के लिए वह एक नया मुद्दा चाहते हैं।÷ प्रधान ने दावा किया, ÷पिछले 78 वर्षों में, स्वतंत्रता के बाद से किसी भी सरकार ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अधिक तमिल भाषा के लिए काम नहीं किया। उन्होंने सिंगापुर में पहला तिरुवल्लुवर सांस्कृतिक केंद्र स्थापित किया , जिसकी वैश्विक स्तर पर तमिल समुदाय ने सराहना की। दुनिया भर के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में तमिल चेयर स्थापित की गईं।

सद्भाव व मानवीय मूल्यों के संवर्धन का महोत्सव

■ क्षमा शर्मा

पैंतालीस दिन के आयोजन के बाद कुंभ समाप्त हो गया। सरकार ने सोचा था कि इसमें पैंतालीस करोड़ लोगों के आने की सम्भावना है, मगर दावा है कि आये छियासठ करोड़, इक्कीस लाख। यानी कि बीस करोड़ से ज्यादा। चैनल्स पर लगातार जिस तरह से कुंभ के दृश्य दिखाए गए, उससे हैरत होती थी। सिर पर भारी-भारी सामान लादे लोग, पैदल चलते। कोई अपने बूढ़े पिता को गोद में उठाए, कोई स्त्री अपनी सास को पीठ पर लादे, दो लड़के अपनी मां या घर की किसी वृद्ध महिला को सहारा देते। खुले आसमान के नीचे सोते। एक तरफ से दस से पंद्रह किलो मीटर तक चलना, लेकिन किसी तरह का उत्पात नहीं, कोई लूटपाट नहीं, कोई नफरत नहीं, कोई दंगा-फसाद भी नहीं। क्या डेढ़ महीने से अधिक के इतने बड़े आयोजन के बावजूद, इतनी अनुशासित भीड़ किसी ने देखी है। यूरोप की आबादी से भी यह भीड़ बस कुछ कम है। अमेरिका की कुल आबादी चौंतीस करोड़ है और पूरे यूरोप की चौहत्तर करोड़। यदि किसी दूसरे देश में इतनी भीड़ इकट्ठी हो, लगातार आ रही हो, तो वहां क्या होगा, इसकी सहज ही कल्पना की जा सकती है।कुंभ को लेकर विपक्ष की जो भूमिका रही, उस पर आश्चर्य होता है। आप भाजपा सरकार का विरोध कर सकते हैं, उसकी आलोचना कर सकते हैं, मगर जो लोग इतनी लम्बी-लम्बी यात्राओं के बाद प्रयागराज आए, उनकी आलोचना करने और मजाक उड़ाने का क्या अर्थ है। किसी की भावनाओं को अपने-अपने राजनीतिक चश्मे से नहीं देखा जाना चाहिए। क्या उन लोगों के वोट विपक्ष को नहीं चाहिए। देश के दूर-दराज के इलाकों से ही नहीं, विदेशों से भी बहुत से लोग आए। एक से एक बड़े लोग आए। बड़े-बड़े नेता आए। उद्योगपति आए। अम्बानी सपरिवार आए। अडानी ने तो वहां बड़े स्तर पर खाने-पीने का प्रबंध किया। कैटरीना कैफ, रवीना टंडन, विक्की कौशल, अनुपम खेर, ममता कुलकर्णी, मिलिंद सोमन, राजकुमार राव,

अक्षय कुमार जैसे अनेक अभिनेता, अभिनेत्रियां भी आए। क्या ये सब मजाक उड़ाने लायक हैं। और क्यों। आप कौन होते हैं किसी का मजाक उड़ाने वाले। किसने ये अधिकार दिया। इतनी संवेदनहीनता की तो उम्मीद नहीं की जा सकती। सच तो ये है कि जब आप किसी का मजाक उड़ाते हैं, तो अपना मजाक उड़वाने की तैयारी कर रहे होते हैं।कई परिचित कुंभ में गए थे। बहुराष्ट्रीय निगम में काम करने वाली एक लड़की भी गई थी। बाकी जहां रहती हूं, वहां से भी बहुत से लोग गए थे। सभी ने एक सुर में कहा कि वहां इंतजाम बहुत अच्छे थे। कोई बीमार पड़ा तो उसे तत्काल इलाज की सुविधा मिली। खास तौर से पुलिस की भूमिका बेहद सराहनीय थी। उसी लड़की ने कहा कि वह जिनके साथ गई थी, उनसे बिछुड़ गई। घबराहट में रोने लगी। तभी एक पुलिस वाला उसके पास आया। सारी बात जानकर उसने कहा- रोओ मत। अभी मैं तुम्हें मिलवाता हूं। फिर उसने लड़की से उन लोगों के नम्बर लिए जिन्हें लड़की मिला रही थी और मिल नहीं रहे थे। उसने काफी प्रयास के बाद उन लोगों से सम्पर्क साधा और लड़की को मिलवाया। इसी तरह गुड़गांव की एक महिला को पुलिस ने रोते देखा । पूछने पर पता चला कि वह गुड़गांव से आई है, साथ वालों से बिछड़ गई है। उसे पता नहीं कि अकेली कैसे लौटना है। पुलिस ने उसे ढांढस बंधाया। कहा कि अगर उसके साथ के लोग नहीं मिले, तो वे उसे गुड़गांव तक छोड़कर आएंगे। कुंभ के समापन के दिन पुलिस ने बताया कि इस दौरान तीस हजार बिछड़े लोगों को मिलवाया गया। तीस हजार कोई मामूली संख्या नहीं है। पुलिस के अच्छे कामों की शायद ही कभी सराहना की जाती है। बल्कि बुद्धिजीवी वर्ग अक्सर बाल की खाल निकालने को तत्पर रहते हैं। क्योंकि किसी की तारीफ करने के मुकाबले आलोचना करना बड़ा आसान है। इतनी बड़ी भीड़ का प्रबंधन कैसे किया गया होगा। सरकार और ब्यूरोक्रेसी ने अपने को झोंक दिया होगा। कुंभ के बाद न जाने कितने दिन इन लोगों को अपनी थकान उतारने में लगेंगे। पर इनकी चिंता भला किसी को क्यों हो । लेकिन हम इन सब बातों को याद नहीं रखेंगे। सिवाय तरह-तरह से आलोचना करने के। यह बात अलग है कि जब हमारे घर में शादी-ब्याह होता है, तो हम मात्र सौ-पचास लोगों का इंतजाम करने में सारी ताकत झोंक देते हैं। सिर के बल खड़े हो जाते हैं, फिर भी आने वाले खुश नहीं होते। यही हाल किसी सभा-सेमिनार का होता है। तो हम तो सौ-पचास का इंतजाम करने में घबरा जाते हैं, मगर आलोचक बनते वक्त परम निंदक बन जाते हैं। प्रयागराज में कुंभ के दौरान जो हादसा हुआ, लोगों की जान गई, या कि नई दिल्ली स्टेशन की भगदड़ में लोगों की जान गई वह बहुत दर्दनाक है। ऐसा नहीं होना चाहिए था। किसी परिवार के लिए अपने परिजन की जो कीमत होती है, वह वही जानता है। लेकिन इसमें कुंभ का क्या दोष। वहां आने वाले श्रद्धालुओं को क्यों हम अपने चश्मे से देख रहे हैं। या वे इस देश के नागरिक नहीं। फिर उन्हें यहां आने के लिए शायद ही किसी तरह की सरकारी सहायता दी गई है। जिस से जो साधन बना, वह उसके जरिए यहां पहुंचा। हमें उनकी हिम्मत की दाद देनी चाहिए। इसके अलावा जो लोग नहीं गए, वे भी किसी आक्षेप के दोषी नहीं हैं, न ही मजाक उड़ाने लायक हैं। अपनी मर्जी है, जो जाना चाहे वह जाए, जो नहीं जाना चाहता उस पर कोई जबर्दस्ती नहीं। एक धर्मिक नेता ने कहा कि जो लोग कुंभ नहीं आ रहे हैं, वे देश से प्रेम नहीं करते। यह बात भी गलत है। ऐसी खबरें आईं कि प्रयागराज में बहुत से मुसलमानों ने लोगों की भरपूर सहायता की। मस्जिदों के दरवाजे खोल दिए गए। मुसलमानों द्वारा संचालित स्कूलों, कालेजों में भी लोगों के खाने-पीने, रहने आदि की व्यवस्था की गई। यह बात काबिले तारीफ है। और यही अपने देश की विशेषता भी है। राजनीति आपस में चाहे जितनी आग लगाए, लोग हैं कि दूसरे की मदद के लिए निकल ही आते हैं। एक मित्र ने अपनी बेटी की कुंभ यात्रा के बारे में फेसबुक पर लिखा। बताया कि कोई वाहन नहीं मिल रहा था तो एक रिक्शे वाले ने उन्हें पूरे दिन घुमाया। जब उस लड़की ने पैसे देने चाहे तो उसने कहा कि कुंभ के दिनों में वह लोगों की मुफ्त सेवा कर रहा है। पैसे नहीं ले रहा। नाम पूछने पर पता चला ङ्कआफताबपहले अगर दो लोग बिछुड़ जाएं और बहुत दिनों बाद मिलें तो कहा जाता था कि हम कुंभ में बिछुड़ गए थे, अब मिले। यही नहीं इम्तिहान के बारे में भी मजाक में कहा जाता था कि इम्तिहान कौन-सा कुंभ का मेला है कि बारह साल बाद आएंगे। ये तो हर साल आते हैं। खुशी की बात है कि इस बार बिछड़ने की ऐसी खबरें शायद ही आएं। ये घटनाएं हमें बहुत कुछ सिखाती हैं और सोचने को प्रेरित करती हैं।

साभार

नर्मदापुरम रेड क्रॉस सोसाइटी को मिला उत्तम सामुदायिक सेवा पुरस्कार

भारतीय रेड क्रॉस समिति की वार्षिक साधारण सभा में नर्मदापुरम जिला शाखा सम्मानित

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम. भारतीय रेड क्रॉस समिति, मध्य प्रदेश राज्य शाखा की वार्षिक साधारण सभा का आयोजन राज्य भवन, भोपाल में संपन्न हुआ। इस अवसर पर समिति की विभिन्न जिला शाखाओं द्वारा किए गए समाजसेवी कार्यों की समीक्षा की गई एवं उत्कृष्ट कार्य करने वाली शाखाओं को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के राज्यपाल महामहिम मंगू भाई पटेल अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी मध्य प्रदेश रहे, जिन्होंने समिति के जनकल्याणकारी कार्यों की सराहना की और समाज सेवा में उत्कृष्ट योगदान देने वाले सदस्यों को प्रोत्साहित किया।

इस अवसर पर नर्मदापुरम जिला शाखा को उत्तम सामुदायिक सेवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान अध्यक्ष भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी मध्य प्रदेश राज्यपाल महामहिम मंगू भाई पटेल द्वारा प्रदान किया गया, जो नर्मदापुरम शाखा द्वारा स्वास्थ्य, आपदा राहत, रक्तदान, शिक्षा और अन्य मानवीय सेवाओं के क्षेत्र में किए गए अनुकरणीय कार्यों का प्रमाण है।

भारतीय रेड क्रॉस समिति नर्मदापुरम के सभी सदस्यों चेयरमैन चंद्र गोपाल मलैया, सचिव डॉ सुनीता कांबले, कोषाध्यक्ष मुकेश श्रीवास्तव, सह सचिव गौरव सेठ, कार्यालय प्रभारी शेरसिंह बड़कुर, उपाध्यक्ष अनिल अग्रवाल,उदित द्विवेदी, किसान केशव साहू, विपिन जैन, धर्मेंद्र तिवारी, गोविंद दुबे, संजय नागोरिया द्वारा नर्मदापुरम रेड क्रॉस सोसाइटी की अध्यक्ष एवं कलेक्टर नर्मदापुरम सुश्री सोनिया मीना से मिल कर नर्मदापुरम रेड क्रॉस सोसाइटी को मिले उत्तम सामुदायिक सेवा पुरस्कार हेतु साधुवाद प्रदान किया एवं यह बताया कि यह सम्मान आपके नेतृत्व, समर्पण और टीम के अथक प्रयासों का प्रमाण है, जिन्होंने समाज सेवा, आपदा राहत, रक्तदान, स्वास्थ्य सेवाओं और मानवीय सहायता के क्षेत्र में अनुकरणीय कार्य किए हैं।

आपकी प्रेरणादायक सेवा से समाज को रेड क्रॉस सोसाइटी के माध्यम से जो लाभ मिला है, वह सराहनीय है। आपके मार्गदर्शन में रेड क्रॉस सोसाइटी ने जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया है, जिसके लिए हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। इस उपलब्धि के लिए आपको एवं पूरी रेड क्रॉस टीम को हार्दिक साधुवाद एवं शुभकामनाएं देते हैं। हमें विश्वास है कि भविष्य में भी आप समाज सेवा की इस भावना को आपके नेतृत्व में आगे बढ़ाते रहेंगे और जनहित में और अधिक उत्कृष्ट कार्य करेंगे।

संभागायुक्त ने आयुष्मान आरोग्य कार्ड के संबंध में समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

आईटीआई में आरक्षित 30% महिला सीट में शत प्रतिशत एडमिशन हो

आयु संबंधी प्रमाण के लिए बुजुर्ग व्यक्तियों की शारीरिक जांच कर सर्टिफिकेट दिए जाएं

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

आईटीआई महाविद्यालय में अगस्त माह में नवीन एडमिशन प्रारंभ हो जाएंगे। आईटीआई महाविद्यालय में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी महिलाओं के लिए 30त्न सीट रिजर्व है लेकिन उस अनुपात में महिलाओं के एडमिशन नहीं हो पा रहे हैं। गत वर्ष भी कई सिटे खाली रह गई थी। एडमिशन से पूर्व महाविद्यालय में शत प्रतिशत महिला सीट भरी जाने के लिए व्यापक स्तर पर महिलाओं को जागरूक किया जाए। नर्मदापुरम, सोहागपुर, पिपरिया सिवनी मालवा में विशेष तौर पर एडमिशन के लिए एक माहौल बनाया जाए। महिलाओं को आईटीआई में प्रवेश के लिए प्रेरित किया जाए। महिला एवं बाल विकास विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग तथा नगरीय प्रशासन विभाग अपने स्तर पर महिलाओं को आईटीआई में प्रवेश के लिए जागरूक करें। उक्त निर्देश नर्मदापुरम संभाग के कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सोमवार को आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में संभाग के सभी जिलों के कलेक्टर को दिए।

कमिश्नर ने आयुष्मान आरोग्य कार्ड के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देश दिए की

70 प्लस वालों के कार्ड प्राथमिकता से बनाए जाये, इसके लिए ग्राम पंचायत एवं नगरी निकायों के पास भी 70 प्लस वालों की सूची है। कई बार 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों के पास उम्र संबंधी दस्तावेज या कोई सर्टिफिकेट ना होने के कारण वे लाभ से वंचित हो जाते हैं। आधार कार्ड में भी कई बार उम्र कम लिखा होता है। इन सब परिस्थितियों को देखते हुए कमिश्नर श्री तिवारी ने निर्देश दिए की रेडियोलॉजिस्ट के माध्यम से ऐसे 60 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग व्यक्तियों की शारीरिक जांच कर वास्तविक उम्र का आकलन कर ऐसे बुजुर्ग व्यक्तियों को उम्र संबंधी सर्टिफिकेट दिए जाएं।

कमिश्नर ने नर्मदापुरम संभाग में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के लिए सभी जिला कलेक्टर को अपने जिले में एक वर्कशाप आयोजित करने के निर्देश दिए और कहां की वर्कशॉप के माध्यम से लोगों को सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूक किया जाए, साथ ही लोगों को प्रेरित किया जाए कि वह अपनी नौ से 14 वर्ष की बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर से बचने के लिए सर्वाइकल कैंसर विरोधी टीके लगाए। कमिश्नर ने स्पष्ट किया कि जो व्यक्ति टीकाकरण का खर्च वहन नहीं कर सकते है उन्हें अन्य संस्थाओं के माध्यम से सहयोग देकर टीकाकरण का कार्य किया जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए कि सर्वाइकल कैंसर के प्रति जागरूकता का कार्य ब्लॉक एवं जिला मुख्यालय पर निरंतर चलता रहे।

जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल कनेक्शन योजना की समीक्षा करते हुए कमिश्नर ने निर्देश दिए की नल कनेक्शन का कार्य प्राथमिकता से किया जाए। उन्होंने आगामी ग्रीष्म ऋतु में पेयजल संकट की समस्या का सभी कलेक्टर्स को आकलन करने के निर्देश दिए और कहां की नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र में संबंधित संस्थाएं एवं पीएचई विभाग व्यापक तैयारी सुनिश्चित रखें।बताया गया कि बैतूल में 56 बसाहटो को चिन्हित किया गया है जहां पर आगामी दिनों में पेयजल का संकट उत्पन्न हो सकता है। बैतूल कलेक्टर ने अवगत कराया की इन स्थानों पर हैंडपंप खनन का कार्य भी किया जाएगा जो हैंडपंप आंशिक रूप से जल प्रदाय कर रहे हैं उनमें भी राइजर पाइप बढ़ाकर सुधार का कार्य किया जाएगा। नर्मदापुरम जिले में सिवनी मालवा एवं सोहागपुर के कुछ क्षेत्र में जल संकट हो सकता है। इसकी भी व्यापक तैयारियां की गई है।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी कलेक्टर पेयजल शुद्धता की जांच अनिवार्य रूप से कराए। पानी के सोर्स से लेकर पीने का पानी सुरक्षित है कि नहीं यह अनिवार्य रूप से देखा जाए। किसी भी स्थिति में गंदा या सिवरेज का पानी पेयजल में ना मिले। कमिश्नर ने कहां की बैतूल में कुछ स्थानों में गंदे पानी के कारण कुछ व्यक्तियों के गंभीर रूप से बीमार होने की घटना घटित हुई थी। ऐसी घटनाएं अब दोबारा किसी भी जिले में घटित ना हो इसके लिए पेयजल की शुद्धता पर विशेष रूप से कार्य किया जाए। कमिश्नर ने कहा कि आरो वॉटर के नाम पर भी कई बार अशुद्ध पेयजल सप्लाई किया जा रहा है। ऐसे अशुद्ध पेयजल आरो वॉटर विक्रेताओं के पेयजल की जांच भी अनिवार्य रूप से की जाए। कमिश्नर ने निर्देश दिए की फूड सेफ्टी ऑफिसर अपनी नियमित चेकिंग की संख्या को बढ़ाएं। लगातार खाद्य पदार्थों एवं मिष्ठान में मिलावट एवं अशुद्धता की जांच करते रहे।

लोहा-सीमेंट बेचने वाले व्यापारियों ने देहात थाने में की शिकायत, ठेकेदार पर लगाया अड़ीबाजी का आरोप

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

पिछले दिनों लोहा खरीदने को लेकर हुआ विवाद का मामला अब गहराने लगा है। उक्त मामले में जहां ग्राहक ने दुकानदार सहित कर्मचारी पर कम लोहा तौलने पर हुए विवाद को लेकर एफआईआर दर्ज कराई है तो वहीं लोहा खरीदने वाले ठेकेदार पर भी एफआईआर दर्ज हुई है। इसके बाद सोमवार को नगर के सभी सीमेंट लोहा बेचने वाले दुकानदारों ने देहात थाने में ठेकेदार संदीप गुप्ता की शिकायत कर अड़ीबाजी कर रुपए न देने के गंभीर आरोप की शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में आरोप लगाया गया कि ठेकेदार संदीप गुप्ता शांति नगर निवासी हमारी दुकानों से सीमेंट लोहा आदि खरीद कर ले जाता है। फिर उस सामान में मीनमेख निकालकर हमको परेशान कर अड़ीबाजी कर धमकी देता है। जिससे हम लोग परेशान हैं, उक्त व्यक्ति दुकान से माल अपने घर ले जाता है फिर घर से आकर कहता है कि तुम्हारा माल कम है,सही माल नहीं देते हो।इस प्रकार कहकर हमारे साथियों से गंदी गालियों का प्रयोग कर धमकी देता है कि मैं तुम्हारी शिकायत करूंगा। तुम्हारे खिलाफ एफआईआर दर्ज कराऊंगा। उक्त व्यक्ति से हम दुकानदार परेशान हैं, इससे हमारी दुकान की साख कम होती है। अन्य लोगों के सामने हमें बेइज्जत होना पड़ता है, अतः उक्त व्यक्ति के खिलाफ दंडात्मक कार्यवाही कर दुकानदारों को बचाया जाए।

फाग उत्सव पर राधावल्लभ मंदिर से निकलेगी श्याम बाबा की भव्य निशान यात्रा, होगा श्याम कीर्तन

सिवनीमालवा। फाग उत्सव के उपलक्ष्य में श्याम बाबा के भव्य कीर्तन का आयोजन मंगलवार 4 मार्च को बानापुरा में किया जाएगा। फ़ाग उत्सव के उपलक्ष्य में मंगलवार को सुबह साढ़े 11बजे भव्य निशान यात्रा राधावल्लभ मंदिर से प्रारम्भ होगी। जिसमें जगह-जगह श्याम प्रेमियों द्वारा स्वागत का कार्यक्रम रखा गया है। यात्रा को मनमोहक बनाने के लिए सबसे पहले घोड़े, बैंड, 11 निशान उठाने वाले श्याम भगत, भजन गाड़ी , पुरुष वर्ग , ढोल , मोर नृत्य , महिलाएं और श्याम बाबा का रथ रहेगा। यात्रा में श्याम प्रेमी निशान उठाकर नाचते गाते हुए सिवनीमालवा से बानापुरा पहुंचेंगे,लगभग 4 बजे तक यात्रा देवांश मैरिज गार्डन पहुंच जाएगी। जहां पर बाबा की प्रसादी वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा । जिसके बाद रात्रि 7 बजे से श्याम बाबा की पूजन अर्चन प्रारंभ होगी जिसके बाद भव्य कीर्तन का आयोजन रात्रि 8 बजे से प्रारंभ होगा । जिसमें देश की सुप्रसिद्ध भजन गायिका रजनी राजस्थानी श्याम बाबा को रिझाने जयपुर से सिवनीमालवा आएंगी।साथ ही इंदौर से सुप्रसिद्ध भजन गायक सावन नागदा और सिवनीमालवा से सुप्रसिद्ध भजन गायक और श्याम प्रेमी बलराम रघुवंशी बाबा को रिझाने पहुंचेंगे।

स्वास्तिक अस्पताल का संचालन विवादों में घिरा, संचालक सहित स्टॉफ पर एफआईआर से मचा हड़कंप

■ पार्टनर डॉ.सुस्मीत श्रीवास्तव सहित दो अन्य कर्मचारियों पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज, 36 घंटे में कराई तीन एफआईआर

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

जिला मुख्यालय पर आईटीआई रोड हरियाली चौक के पास स्थित स्वास्तिक हॉस्पिटल के संचालक सहित डॉक्टर और स्टाफ के बीच चल रहे विवाद में लगातार एक के बाद एक तीन एफआईआर दर्ज हो चुकी हैं। जिससे अस्पताल संचालन का मामला पेचीदा हो गया है। वही स्वस्तिक हॉस्पिटल स्टाफ में एक दूसरे पर स्त्रढ्ढक्र पर स्त्रढ्ढक्रकी घटना के बाद यह सवाल भी खड़े हो रहे हैं कि आखिर अस्पताल प्रबंधन में ऐसा क्या चल रहा था कि अचानक इतनी स्त्रढ्ढक्रएक दूसरे के खिलाफ करनी पड़ी? जबकि गुरुवार रात्रि को हिंदू संगठन महिला स्टाफ की मदद को लेकर देहात थाने पहुंचा था। गुरुवार रात को मिले आवेदन पर देहात पुलिस ने अस्पताल संचालक

रमीज अली और एंबुलेंस चालक मुस्ताक खान पर अस्पताल स्टाफ की महिला कर्मचारी से छेड़छाड़ का मामला दर्ज किया था। इसके बाद अस्पताल की पार्टनर महिला डॉक्टर की शिकायत पर संचालक रमीज अली,उसके चाचा सहित कुल चार लोगों पर धक्का मुक्की, छेड़छाड़, जान से मारने की धमकी का केस दर्ज किया गया था। वहीं तीसरी स्त्रढ्ढक्रशुक्रवार को महिला नर्स की शिकायत पर अस्पताल एचआर राजकुमार शर्मा,मैनेजर मयंक रघुवंशी पर छेड़छाड़ का मामला दर्ज हुआ तो वहीं रमीज अली पर छेड़छाड़ की स्त्रढ्ढक्रदर्ज कराने वाली अस्पताल की पार्टनर एवं डॉ सुसमीत श्रीवास्तव पर एट्रोसिटी एक्ट के तहत केस दर्ज हुआ है। महिला डॉक्टर पर जाति सूचक शब्द का उपयोग करने के आरोप है। लगातार 36 घंटे में तीन स्त्रढ्ढक्रके बाद पूरे मामले में हड़कंप मच गया कि आखिर अस्पताल के अंदर ऐसा क्या विवाद चल रहा था?कि पूरा मामला शिकायत शिकवा से दूर होकर सीधे देहात थाने की दहलीज तक पहुंचा? मामले में जहां अस्पताल संचालक रमीज अली का कहना रहा कि यह सब मामला पार्टनरशिप डीड का है, जिसे हम खत्म करना चाहते हैं,पार्टनर से जब हमने पार्टनरशिप खत्म करने की बात की तो उन्होंने 50 लाख की डिमांड रखी। जिसे लेकर यही से विवाद शुरू हुआ। दूसरी तरफ देहात थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने बताया कि स्वास्तिक अस्पताल संचालक सहित स्टाफ में चल रहे विवाद के मामले में स्त्रढ्ढक्रदर्ज की हुई है। दोनों ही पक्षों ने आवेदन भी दिए हैं, पूरे मामले की जांच की जा रही है।

विश्व श्रवण दिवस पर 69 मरीजों की हुई जांच एवं परीक्षण

नर्मदापुर, दोपहर मेट्रो

प्रति वर्ष 03 मार्च को विश्व श्रवण दिवस मनाया जाता है। सीएमएचओ डॉ दिनेश देहलवार ने बताया कि इस दिवस में लोगों को बेहरेपन की समस्या के बारे में जागरूक करना एवं सुनने की क्षमता बनाये रखने के लिए प्रेरित करना है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मप्र भोपाल के 27 फरवरी को दिये गये निर्देशानुसार आज विश्व श्रवण दिवस के अवसर पर जिला अस्पताल, डीईआईसी नर्मदापुरम सहित जिले की अन्य सभी स्वास्थ्य संस्थाओं में चिकित्सकों एवं आरबीएसके टीम द्वारा नवजात शिशु, ऑगनवाड़ी एवं छात्रावासों के चिन्हित बच्चों एवं अन्य श्रवण बाधितों की जॉच एवं उपचार किया गया। जिला चिकित्सालय में 22

नागरिकों, डीईआईसी में 12 एवं विकासखण्ड स्तर पर 35 मरीजों एवं बच्चों का परीक्षण एवं उपचार किया गया। बच्चों के माता पिता को स्वास्थ्य शिक्षा दी गई कि ईयर फोन, हेड फोन, ईयर प्लग के अधिक समय तक उपयोग नहीं करना चाहिए। इन वस्तुओं को अधिक उपयोग करने पर अस्थाईरूप से सुनने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। बच्चों को बधिरता से बचाने के लिए कान में नुकीली वस्तुओं को डालने से बचें एव नियमित रूप से सुनने की जांच जिला चिकित्सालय एवं डीईआईसी नर्मदापुरम में निःशुल्क करवाते रहें। शिविर में सीएमएचओ डॉ. दिनेश देहलवार, सिविल सर्जन डॉ. सुनीता कामले, श्रवण रोग विशेषज्ञ डॉ आर सी प्रजापति, प्रबंधक कविता सालवे, आडियोलॉजिस्ट दिनेश पटेल, सहित अन्य चिकित्सालय स्टॉफ उपस्थित रहे।

मेट्रो एंकर समय सीमा की बैठक में कलेक्टर सोनिया मीना ने विभिन्न विभागों की समीक्षा की

बोर्ड परीक्षा केंद्रों का नियमित निरीक्षण करें एसडीएम : कलेक्टर सोनिया मीना

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सोमवार को कलेक्टर कार्यालय में आयोजित समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सोनिया मीना ने विभागीय योजनाओं, जनसुनवाई एवं समय सीमा प्रकरणों, सीएम हैल्पलाईन आदि की समीक्षा की। कलेक्टर सुश्री मीना ने सीपीग्राम पोर्टल एवं सीएम हेल्पलाइन पर दर्ज विभागीय शिकायतों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र एवं संतुष्टि पूर्वक समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि लंबित शिकायतों का पूर्ण परीक्षण कर बिंदुवार प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। राजस्व विभाग से संबंधित शिकायतों की संख्या अधिक होने पर उन्होंने सभी अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) एवं तहसीलदारों को प्राथमिकता से शिकायतों के निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने तहसीलवार सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर सभी तहसीलदारों को ए-ग्रेड लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में कार्य करने के लिए निर्देशित किया। बॉटम तीन तहसील सिवनी मालवा, माखननगर और बनखेड़ी को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता बताते हुए कलेक्टर ने समस्त जिलाधिकारियों को अपनी विभागीय प्रगति स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर सुश्री मीना ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए की समय सीमा की बैठक के दौरान रिव्यू की गई सभी शिकायतों का आगामी एक सप्ताह में संतुष्टि पूर्वक समाधान किया जाए साथ ही 30 दिन से लंबित शिकायतों पर भी संबंधित अधिकारी ध्यान दे। कलेक्टर ने ईई लोक स्वास्थ्य एवं यांत्रिकी विभाग को निर्देश दिए की बी ग्रेड में आना

पर्याप्त नहीं है विभाग की रैंकिंग सुधारने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएं। कलेक्टर सुश्री मीना ने जिले में संचालित बोर्ड परीक्षाओं के सफल संचालन के लिए सभी एसडीएम को नियमित रूप से परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण करने के निर्देश दिए। उन्होनें कहा कि परीक्षा के दौरान छात्रों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए साथ ही जिला एवं ब्लॉक स्तर पर शिक्षा अधिकारियों को भी केंद्रों का सतत निरीक्षण करने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई के लंबे मामलों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देश दिए की जनसुनवाई के दौरान प्राप्त हुई सभी शिकायतों में सात दिवसों में प्रारंभिक जवाब दायर किया जाए। किसी भी सूरत में जनसुनवाई शिकायतों की अनदेखी को स्वीकार्य नहीं किया जाएगा। उन्होना कहा कि जनसुनवाई प्रशासन और जिले की जनता के बीच एक समन्वय का माध्यम है जिससे उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित किया जा सकता है। साथ ही, कलेक्टर ने संभागायुक्त द्वारा चिन्हित समय सीमा प्रकरणों के निराकरण के लिए साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

समय सीमा की बैठक के दौरान कलेक्टर सुश्री मीना ने जिला सूचना अधिकारी को निर्देश दिए की कलेक्टर कार्यालय सहित समस्त जिला कार्यालय में ई ऑफिस प्रणाली लागू किए जाने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाए, जिसमें समस्त जिला अधिकारियों को उक्त प्रणाली के संबंध में आवश्यक प्रशिक्षण दिया जा सके। कलेक्टर ने कहा कि ई- ऑफिस प्रणाली शासन की महत्वाकांक्षी एवं महत्वपूर्ण कार्ययोजना है, जिसका सभी जिला कार्यालय में क्रियान्वन सुनिश्चित किया जाए।

चैत्र नवरात्रि महामाई मेले की तैयारियों के संबंध में विधायक ने ली बैठक

मेला पॉलीथिन मुक्त बनाने का होगा प्रयास : उमाकांत शर्मा

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

सोमवार को चैत्र नवरात्रि में श्री महामाई मंदिर पर आयोजित होने वाले पंद्रह दिवसीय विद्या शतचंडी दुर्गा महायज्ञ एवं विशाल मेले की तैयारियों को लेकर महामाई सेवा समिति की बैठक आयोजित प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा के मुख्यातिथि एवं विधायक एवं महामाई समिति के संरक्षक उमाकांत शर्मा ने स्थानीय प्रशासन द्वारा मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा की दृष्टि से होने वाली विभिन्न व्यवस्थाओं की तैयारियों के संबंध में विभागवार चर्चा करके आवश्यक दिशा निर्देश दिए जिसमें मुख्य तौर पर पेयजल, बिजली ट्रैफिक सहित अन्य व्यवस्थाओं को प्रभावी बनाने के लिए भी निर्देशित भी किया।

विधायक श्री शर्मा ने मेले में पर्यावरण एवं प्राकृतिक सौंदर्य को दृष्टिगत रखते हुए नवाचार प्रकल्पों को भी मेले के दौरान करने का आग्रह समिति के सदस्यों से किया। जिसमें प्रमुख रूप से इस बार मेले को पॉलीथिन मुक्त बनाने का निर्णय लिया गया है। अभियान को सभी व्यापारियों,श्रद्धालुओं के सहयोग से पुरा करने का आव्हान किया गया है। मेल परिसर क्षेत्र को गंदगी मुक्त करने के लिए पर्याप्त शौचालयों के साथ बायो केमिकल टॉयलेट लगाने पर भी विचार किया गया। विधायक ने मेले में आने वाली शहरी एवं ग्रामीण महिला श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य संबंधी जांच के लिए शिविर आयोजित करने की भी आवश्यकता जताई।

बैठक में एसडीएम हर्षल चौधरी ने प्रशासन की ओर से प्रतिवर्ष उपलब्ध कराई

जाने वाली व्यस्थाओं ओर तैयारियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए कहा कि समिति द्वारा मेला आयोजन में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के संदर्भ में परंपरानुसार जो भी आवश्यक व्यवस्थाएं जुटाई जाती है उनका समय से पहले पूर्ण कर लिया जाएगा।

महामाई मैया की बरसती रहे कृपा

बैठक में आशीर्वचन देते हुए महामाई मंदिर के प्रधान पुजारी पंडित नलिनीकांत शर्मा ने कहा कि जन जन की आराध्य देवी माँ महामाई हमारे क्षेत्र की आराध्या देवी है। पिछले अनेक वर्षों से हम सब धूमधाम के साथ मैया का आयोजन मानते चले आ रहें है।महामाई मैया का यह मेला सनातन धर्म का विशाल आयोजन है जिसमें लाखों श्रद्धालु सहभागिता करते है यह एक सामूहिक जिम्मेदारी का आयोजन है। मैया के अनन्य भक्त मेरे मँझले भाई स्व.लक्ष्मीकांत शर्मा ने इस मेले को प्रदेश स्तरीय पहचान एवं व्यापकता प्रदान की है और इसे सदैव सफल बनाना हम सभी की जिम्मेदारी है। इसमे शासन प्रशासन का सहयोग समिति को सदैव मिलता रहा है। हम सब मिलकर धूमधाम के साथ इस आयोजन को सफल करेंगे। सभी भक्तों पर मैया की कृपा बनी रहे।

मेले में दिखे सनातन संस्कृति की झलक

वहीं विधायक शर्मा ने कहा कि इस वर्ष हम रानी अहिल्याबाई की तीन सौ वीं,रानी दुर्गावती की पाँच सौ वीं एवं राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की एक सौ वीं जयंती वर्ष मना रहें हैं। यह मान बिंदु हमारी संस्कृति के परिचायक हैं ।नगर की अधिष्ठात्री देवी मां महामाई का मंदिर हमारे क्षेत्र सहित आसपास के श्रद्धालुओं की आस्था का मंदिर है इस बार मेले में इन वीरांगनाओं पर आधारित प्रदर्शनी तथा इनके जीवन पर आधारित नाट्य मंचन भी हो सके इसके लिए भी हम प्रयास करेंगे।

कलेक्टर ने पीएचई व जल मिशन के कार्यो की समीक्षा की

आम आदमी को जल आपूर्ति सुनिश्चित करना हमारा दायित्व है : कलेक्टर

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने पीएचई व जल मिशन के कार्यो की समीक्षा की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि ग्रीष्मकाल के दौरान आम आदमी को जल से मतलब है आवश्यकता के अनुसार जल की आपूर्ति सुनिश्चित कराने का दायित्व हमारा है। आंकडो से हम किसी निष्कर्ष पर तब पहुंच सकते है जब संबंधित ग्राम में रहवासियों को ग्रीष्मकाल में नल से घर में जल पहुंच रहा हो। ग्रीष्मकाल के दौरान जिले के किसी भी क्षेत्र में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर श्री सिंह ने समीक्षा बैठक में कहा कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और जल मिशन की ग्रामवार स्पष्ट प्लांनिग होना चाहिए और प्लानिंग के क्रियान्वयन हेतु क्या रणनीति तय की गई है। रणनीति की पूर्ति के लिए क्या संसाधन उपलब्ध है और किन संसाधनो की मांग की गई है और यह मांग कब तक पूरी होगी कि स्पष्ट जानकारी से ग्रामवासी भी अवगत हो। उन्होंने निर्धारित प्रपत्रों में दर्ज की जाने वाली जानकारी कालमवार सहज, सरल भाषा में हो ताकि प्रपत्रो में अंकित जानकारी से आम आदमी भी समझ सकें कि हमारे गांव का हेण्डपंप खराब है तो उसका कारण क्या है और कैसे सुधरेगा और आवश्यक सामग्री की पूर्ति कब कैसे

ग्रीष्मकाल में पेयजल संकट की स्थिति निर्मित ना हो

होगी। ऐसी कार्यप्रणाली अपनाने से आमजनों का विश्वास विभाग के प्रति बढेगा।

कलेक्टर श्री सिंह ने ग्रीष्मकाल के दौरान पानी की पूर्ति सुविधाजनक हो, जिला व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकीय विभाग के द्वारा कंट्रोलरूम संचालित किए जाएं। फील्ड की प्लानिंग जहां ज्यादा समस्या आती है वहां संसाधनो का भण्डारण पूर्व में सुनिश्चित कराएं। कलेक्टर श्री सिंह ने हैण्डपंपो के सुधार के लिए मैकेनिकों की जानकारियां ग्राम स्तर पर भी सुगमता से प्राप्त हो इसके लिए मैकेनिको को आवंटित ग्रामो की सूची संबंधित ग्राम पंचायतों में प्रदर्शित हो। हेण्डपंप के संबंध में स्पष्ट स्थिति से अधिकारी भलीभांति अवगत हो। सामान्य खराबी से संबंधित हेण्डपंपो की समस्या नगण्य हो। ऐसे हेण्डपंप जिनका जल स्तर गिर गया है उन क्षेत्रो में वैकल्पिक स्त्रोतो के प्रबंध सुनिश्चित किए जाए। कलेक्टर श्री सिंह ने विकासखण्डवार स्थापित हेण्डपंप में से क्रियाशील, बंद होने के विभिन्न कारणो की पृथक-पृथक जानकारी प्राप्त की है।

साइबर फ्रॉड से बचाने लगाया जन चेतना शिविर

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

जागरूकता अभियान के तहत देहात पुलिस द्वारा राजेंद्र नगर चौराहा पर जन चेतना शिविर में कार्यक्रम किया गया । पुलिस अधीक्षक रोहित काशवानी के आदेश अनुसार अनुविभागीय अधिकारी मनोज मिश्रा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक हरिकिशन लोहिया एवं प्रधान आरक्षक सुरेश यादव, आरक्षक अनिल, यशपाल, प्रयाग, सचिन ,अमन, प्रकाश परमेंद्र द्वारा साइबर सुरक्षा ,नशामुक्ति एवं महिला अपराधों सहित हेलमेट लगाने संबंधी यातायात के संबंध में जागरूकता अभियान में लोगों को जागरूक किया गया।

वर्तमान में किस तरीके के

फ्रॉड चल रहे हैं एवं नशा से होने वाले आर्थिक एवं सामाजिक नुकसान के बारे विस्तृत जानकारी दी गई। प्रत्येक व्यक्ति तक जागरूकता अभियान की जानकारी पहुंच सके जिससे लोगों के साथ साइबर अपराध घटित ना हो सके। साइबर फ्रॉड के बचाव एवं साइबर फ्रॉड हो जाने पर किस प्रकार पोर्टल एवं 1930 पर अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं।

हेलमेट लगाकर बाइक चलाने वालों को कलेक्टर, एसपी ने किया सम्मानित

विदिशा। कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह एवं पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी ने आज सड़क सुरक्षा और दुर्घटनाओं में कमी लाए जाने के लिए हेलमेट लगाओ अभियान अंतर्गत जन जागरूकता के संदेशों का प्रसारण किया है। उन्होंने

आज सोमवार को एनसीसी और पुलिस के साथ विदिशा नगर की सब्जी मंडी क्षेत्र से गुजरने वाले दो पहिया वाहन चालकों को हेलमेट लगाने की समझाईश दी। इस दौरान उन्होंने हेलमेट लगाकर वाहन चलाने वाले दो पहिया वाहन चालकों को रोककर गुलाब दिया और फूल माला पहनाकर सम्मानित किया। हेलमेट पहनकर यातायात नियमों का पालन करने वाले चालकों से कलेक्टर व एसपी द्वारा संवाद कर प्रशंसा भी की गई है। साथ ही साथ उन्होंने जिन वाहन चालकों के द्वारा स्वयं की सुरक्षा के लिए हेलमेट लगाकर वाहन नहीं चलाए जा रहे थे उन्हें भी गुलाब दिया और समझाईश दी है कि वह अब आगे से हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाएं। जिला प्रशासन व पुलिस प्रशासन द्वारा हेलमेट लगाओ अभियान के अंतर्गत आज सब्जी मंडी क्षेत्र में जिन दो पहिया वाहन चालकों के द्वारा हेलमेट लगाकर वाहन चलाया गया उनमें विट्ठल नगर विदिशा निवासी विक्रम ठाकुर , भोपाल निवासी श्री नाथूराम प्रजापति, विदिशा निवासी रवि शंकर धाकड़, दुर्गा नगर विदिशा निवासी सचिन चंदेल और रायसेन से वाहन चलाकर विदिशा पहुंचे श्री सत्यानंद गिरी शामिल हैं। इन सभी को कलेक्टर और एसपी के द्वारा गुलाब देकर और फूलमाला पहनाकर सम्मानित कर हेलमेट लगाने के साथ-साथ यातायात के नियमों का पालन करने के लिए उनकी प्रशंसा भी की है।

कलेक्टर ने लंबित आवेदनों और नवीनतम शासकीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक ली

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने सोमवार को विभिन्न विभागो में लंबित आवेदनो पर संबंधित विभागो के अधिकारियों द्वारा निराकरण के संबंध में की गई पहल की अद्यतन जानकारियां समीक्षा बैठक में प्राप्त की है। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के आवेदनों के निराकरणो में किसी भी प्रकार की ढिलाई ना बरती जाए। उन्होंने इसी प्रकार की समीक्षाएं समस्त एसडीएमो को अपने स्तर पर करने के निर्देश दिए है। कलेक्टर ने शासन की नवीन योजनाओं व कार्यक्रमों के क्रियान्वयन हेतु स्थानीय स्तर पर रणनीति तय कर लक्ष्यों की शत प्रतिशत प्राप्ति के संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने एक अप्रैल से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र के शुभांरभ अवसरो पर आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमो व ततसंबंध में प्राप्त दिशा निर्देशो को रेखांकित करते हुए उन्होंने कहा कि छह वर्ष आयु तक का एक भी बच्चा स्कूल जाने से वंचित ना रहें। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया है कि आंगनबाडी केन्द्रो में छह वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले सभी बच्चे स्कूलो में दाखिल हो इसके लिए आंगनबाडी कार्यकर्ता व सहायिका स्कूलो से समन्वय

एक अप्रैल के कार्यक्रम की रूपरेखा

शाला परिसर में साज सज्जा के साथ शाला प्रवेश हेतु तैयारी पूर्ण करना। स्थानीय स्तर के लोगो की उपस्थिति ज्यादा से ज्यादा सुनिश्चित करना। स्थानीय स्तर पर ढोल बाजे से कार्यक्रम की शुरूआत करना, जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं ग्रामीणों की उपस्थिति में किट प्रदाय करना एवं अन्य कार्यक्रम शामिल है।

अभियान का प्रचार प्रसार

मीडिया के माध्यम से अभियान का प्रचार-प्रसार किया जाना, जनप्रतिनिधियों सामाजिक कार्यकर्ता एवं अन्य के द्वारा प्रचार-प्रसार किया जाना। विभाग द्वारा नुक्कड़ नाटक, रैली, दीवार लेखन के माध्यम से प्रचार-प्रसार किया जाना। स्थानीय स्तर पर संगोष्ठी एवं आमजनों से चर्चा कर प्रचार-प्रसार किया जाना।

स्थापित कर दाखिला संबंधी कार्यो की क्रास मानिटरिंग करें। यदि कोई बच्चा छूट जाता है तो बच्चे के अभिभावक, पालक के घर पहुंचकर दाखिला संबंधी कार्यवाही पूर्ण करें।

शाला में पहला कदम अभियान का मुख्य उद्धेश्य नन्हे कदमो को स्कूल की राह दिखाना है। अभियान की तैयारी के संबंध में जारी निर्देशो को रेखांकित करते हुए बताया गया कि शाला भवन की कलर कोड के साथ पुताई कराना, शाला परिसर की सफाई, शौचालय एवं पेयजल की सुचारू व्यवस्था इसके अलावा एक अप्रैल से शुरू होने वाले शैक्षणिक सत्र को मनाए जाने वाले उत्सव के लिए प्राकृतिक रूप से शाला की साज सज्जा, रंगोली इत्यादि कार्यो के लिए विभागो को दायित्व सौंपे जाने के निर्देश दिए है।

कलेक्टर श्री सिंह ने शाला में पहला कदम कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, एनजीओ, व्यापारीवर्ग, मीडिया सहित अन्य से संवाद स्थापित कर प्रचार-प्रसार के साथ-साथ जन सहयोग प्राप्ति के कार्य किए जाएं।

जनसहयोग से पहली कक्षा में प्रवेश करने वाले वाले बच्चों को किट प्रदाय करना, किट में स्कूल बैग, पेंसिल बाक्स, पानी की बाटल एवं ड्राइंग कापी होगी। जनसहयोग स्थानीय स्तर से भी प्राप्त किया जाना है। शाला परिवार द्वारा जन प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं अन्य को कार्यक्रम हेतु आमंत्रित किया जायेगा इसके लिए ई कार्ड एवं घर-घर संपर्क कर आमंत्रित किया जाएगा।

बोर्ड परीक्षा

कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने जिले में दसवीं एवं बारहवी की जारी बोर्ड परीक्षा संबंधी कार्यो की भी समीक्षा की। उन्होंने सभी एसडीएमो व तहसीलदारो को निर्देशित किया है कि माध्यमिक शिक्षा मण्डल की मंशा के अनुरूप बोर्ड परीक्षाएं निर्विघ्न रूप से जिले में संपादित हो। जिस प्रकार पूर्व में तैयारी की गई है उसी प्रकार परीक्षा समाप्ति तक प्रबंध सुनिश्चित किए जाएं।

कृषि प्लान

कलेक्टर श्री सिंह ने जिले में कृषि सह लाइन डिपार्टमेंट के माध्यम से जिले का प्लान तैयार करने की अद्यतन जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने कहा कि सम्पूर्ण सम्मिलित विभागो के जिलाधिकारी आपसी समन्वय स्थापित कर जिले का बेहतर कृषि प्लान बनाएं। जिसकी उपयोगिता और सार्थकता सिद्ध हो। उन्होंने कहा कि जो प्लान तैयार होगा वही अनुमोदन के लिए शासन को भेजा जाएगा। अतः हरेक विभाग के जिलाधिकारी की प्लान में विभागीय कार्यो को रेखांकित करने वाली बुनियादी बिन्दुएं स्पष्ट परलिक्षित हो।

मेट्रो एंकर विश्व वन्यजीव दिवस : पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए वन्यजीवों की रक्षा करना जरूरी संरक्षण के लिए करने होंगे प्रयास

वनस्पतियों और जीव जंतुओं की प्रजातियों के प्रति जागरूक होना जरूरी

■ वन्य प्राणियों के प्रति सहानुभूति रखकर संरक्षण संवर्धन में लोग दे योगदान

विशाल रजक तेन्दूखेड़ा, दोपहर मेट्रो

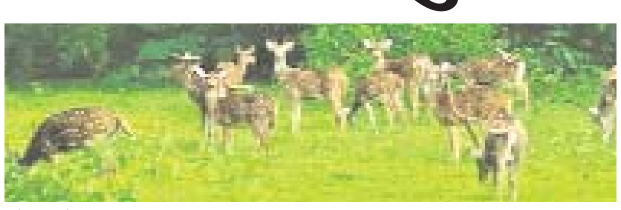

अपने स्वार्थ के लिए प्रकृति का अंधाधुंध दोहन करने में डूबे इंसान को अब यह अंदाजा ही नहीं रह गया है कि वह अपने साथ-साथ लाखों वन्य जीवों के लिए इस धरती पर रहना कितना दूभर कर रहा है। तथाकथित विकास एवं स्वार्थ के नाम पर धरती पर मौजूद संसाधनों का प्रबंधन और दोहन इस तरह से किया जा रहा है कि वन्य जीवों का अस्तित्व ही समाप्त हो रहा है। तेजी से विलुप्त हो रहे वन्य पेड़ पौधों और जीव-जंतुओं के संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने एवं वन्यजीवों की तस्करी आदि अन्य खतरों पर नियंत्रण के उद्देश्य से विश्व वन्य जीव दिवस 3 मार्च को मनाया जाता है। जिसमें लोगों को जंगली वनस्पतियों और जीवों की विभिन्न प्रजातियों के संरक्षण के फायदे बताकर जागरूक किया जा सके, ताकि वह वन्यजीव अपराध और वनों की कटाई के कारण वनस्पतियों और जीवों को होने वाले नुकसान को रोकने में अहम भूमिका निभा सकें। वन से हमें औषधियों के अलावा और भी कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। वन्यजीव जलवायु संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं। वन मानसून को नियमित रखने तथा प्राकृतिक संसाधनों की पुनः प्राप्ति में सहयोग करते हैं पर्यावरण में जीव-जंतु तथा पेड़-पौधों के योगदान को पहचानकर तथा धरती पर जीवन के लिए वन व वन्यजीवों के अस्तित्व का महत्व आमजनों को समझना होगा।

जिले के वन मंडल अधिकारी और वन परिक्षेत्र अधिकारियों ने दी महत्वपूर्ण जानकारी

वन्यजीव का संरक्षण इसलिए जरूरी है क्योंकि जो भी हमारी बेसिक जरूरते हैं, जैसे हवा, पानी, भोजन, प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से वन व वन्यजीवों के कारण ही होते हैं विश्व वन्यप्राणी दिवस मनाने का यही उद्देश्य होता है कि इसके लिए सबको जागरूक कर सके

-ईश्वर जरांडे वन मंडल अधिकारी दमोह

नागरिकों को वन्यजीवों और वनस्पतियों के संरक्षण में योगदान देना चाहिए इसके लिए सभी का जागरूक होना जरूरी है। यदि हम वन्य क्षेत्र में हैं तो गर्मी के दिनों में जंगलों में आग प्रयोग न करें क्योंकि से वन्य प्राणियों के आवास नष्ट होने से उनकी मौत हो जाती है।

-प्रतीक कुमार दुबे उप वनमंडल अधिकारी तेन्दूखेड़ा

प्रजातियों, आवासों और पारिस्थितिकीय तंत्र के नुकसान से पृथ्वी पर जीवन को खतरा है। हमें लुप्तप्राय वन्य जीवों की प्रजातियों को बचाने, उनके आवासों और पारिस्थितिकीय तंत्र की बहाली का समर्थन करने आगे आना चाहिए और उनकी रक्षा के प्रयास करना चाहिए

-नीरज पांडे वन परिक्षेत्र अधिकारी तेजगढ़

विश्व वन्यजीव दिवस मनाए जाने का मुख्य उद्देश्य वन्यजीवों से हमें भोजन तथा औषधियों के अलावा और भी कई प्रकार के लाभ मिलते हैं। वन व वन्यजीव जलवायु संतुलित बनाए रखने में मदद करते हैं हमें वनस्पतियों और जीवों की रक्षा करनी चाहिए साथ ही पौधारोपण भी करें।

-मेघा पटेल वन परिक्षेत्र अधिकारी तेन्दूखेड़ा

वन्य जीव हमारे इकोसिस्टम का संतुलन बनाकर रखते हैं जिससे प्रकृति में स्थिरता बनी रहती है लेकिन आज कल जागरूकता की कमी की वजह से वन्य जीवों के बसेरे उजड़ रहे हैं, जिससे पशु-पक्षियों की प्रजातियां विलुप्त होने की कगार पर पहुंच गई हैं।

-देवेंद्र गुर्जर वन परिक्षेत्र अधिकारी तारादेही

प्रकृति के संतुलन में वन्यजीवों का बहुत महत्वपूर्ण योगदान है क्योंकि वन और वन्य जीव एक दूसरे के पूरक है। आज वन्यजीवों के मामले में मप्र सर्वोपरि है और अर्थ की पूर्ति पर्यटक करते हैं जो बेरोजगारी के साथ-साथ प्रकृति के संतुलन में बहुत बड़ा योगदान होता है।

-सतीश मसीहा वन परिक्षेत्र अधिकारी झलौन

आज तय होगा चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल डेस्टिनेशन

भारत-ऑस्ट्रेलिया सेमीफाइनल : दुबई बनाम लाहौर की जंग

2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल की ही दो टीमें यानी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल आज दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जाएगा।दोनों टीमों के बीच होने वाला यह मुकाबला दुबई बनाम लाहौर भी माना जा सकता है।दरअसल दोनों सेमीफाइनल के तय डेस्टिनेशन(दुबई व लाहौर) के बाद होने वाले खिताबी मुकाबले की टीम व फाइनल की जगह का फैसला भी आज के मैच की ही जीत हार से होने वाला है। लाहौर(पाकिस्तान) के आयोजक जहां ऑस्ट्रेलिया के जीत की उम्मीद करेंगे, वहीं दुबई के चाहने वालों को भारतीय टीम के जीत की आस इस मैच में रहेगी।अगर हम इतिहास पर नजर डालें तो फिर भले ही टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया ने 2015 वनडे वर्ल्ड कप सेमीफाइनल और 2023 वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में हराया था,लेकिन मौजूदा ट्रॉफी में टीम इंडिया के मजबूत फिरकी जाल की वजह से रोहित ब्रिगेड का आत्मविश्वास चरम पर है।टीम के बल्लेबाजों ने अभी तक ठीक ठाक बल्लेबाजी की है,लेकिन बड़े मैचों में कई बार इनका ढेर होना हार की बड़ी वजह भी रहा है।इस मैच की बात करें तो टीम इंडिया की बल्लेबाजी में गिल ओर कोहली की भूमिका बेहद अहम रहेगी।भले ही टूर्नामेंट से पहले टीम में 5 फिरकी को शामिल करने के फैसले की काफी आलोचना हुई थी, लेकिन दुबई की धीमी पिचों पर अब यही मास्टरस्ट्रोक साबित हो रहा है। रविवार को खेले गए अपने आखिरी लीग मुकाबले में जिस अंदाज में टीम इंडिया ने न्यूजीलैंड को 249 रन बनाने के बावजूद बड़े आराम से हराया उससे सबक लेते हुए ऑस्ट्रेलिया टीम ने सेमीफाइनल से पहले अचानक बड़ा बदलाव कर लिया।चैंपियंस ट्रॉफी के नॉकआउट मुकाबले के लिए चोटिल मैथ्यू शॉर्ट की जगह युवा फिरकी ऑलराउंडर कूपर कोनोली को ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है।वह बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते हैं और बाएं हाथ के ऑर्थोडॉक्स गेंदबाज हैं। इस युवा ने 2022 के अंडर-19 विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया था। मतलब साफ है कि बड़े मुकाबलों की ताकतवर टीम कही जाने वाले ऑस्ट्रेलिया टीम ने गेंदबाजी की कमजोर कड़ी को बेहतर करने का प्रयाश किया है।अब यह देखना दिलचस्प रहेगा कि दुबई की फिरकी मददगार धीमी विकेट पर ऑस्ट्रेलिया की अंतिम एकादश का कॉम्बिनेशन क्या रहता है।अगर इस टीम में फ्रेजर-मैकगर्क को बतौर ओपनर मौका दिया जाता है तो फिर फिरकी को मजबूत करने के लिए ऑस्ट्रेलिया अपनी तेज गेंदबाजी को सीमित करती है या नहीं,यह फैसला मैनेजमेंट के लिए बेहद चुनौती वाला रहेगा।अब अगर हम ऑस्ट्रेलिया से हटकर टीम इंडिया की एकादश की बात करें तो फिर न्यूजीलैंड को 4 फिरकी की दम पर पटखनी देने के बाद इस कॉम्बिनेशन में छेड़खानी की उम्मीद न के बराबर कही जा सकती है।वैसे मेरे नजरिये में टीम मैनेजमेंट को अपने विकेट कीपर विकल्प पर भी ध्यान जरूर देना चाहिये।भले ही न्यूजीलैंड के खिलाफ लीग मैच में फिरकी की दम पर टीम इंडिया ने जीत हासिल कर ली थी,लेकिन के एल राहुल की

बतौर विकेट कीपर भूमिका कमजोर नजर आई थी।सच तो यह है कि फिरकी मददगार धीमी पिचों पर विकेट कीपर का किरदार बेहद अहम हो जाता है।इस बात को नकारा नहीं जा सकता कि मुकाबला जब ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत बल्लेबाजी के साथ हो तो फिर एक चूक भी भारी पड़ सकती है।अगर हम दोनों टीमों के बीच किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉक आउट में हुए मैचों पर गौर करें तो फिर टीम इंडिया को आखिरी जीत 2011 क्वार्टर फाइनल में मिली थी। मतलब साफ है कि ऑस्ट्रेलिया टीम बड़े मुकाबलों की चैंपियन टीम कही जा सकती है।ऐसे में दुबई के मैदान पर होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले में इस टीम को कमजोर आंकना टीम इंडिया के लिए घातक साबित हो सकता है।वहीं अगर हम इस मुकाबले में टॉस की भूमिका की करें तो फिर दोनों ही टीमों के लिए पहले बल्लेबाजी करना फायदेमंद हो सकता है क्योंकि किसी भी बड़े टूर्नामेंट के नॉक आउट मुकाबले में स्कोरबोर्ड प्रेशर का रोल भी अहम रहता है।खैर मैच का फैसला क्या रहता है यह तो वक्त ही बताएगा,लेकिन अगर हम इस भिड़ंत के मूल की बात करें तो यह मैच ऑस्ट्रेलिया की दमदार बल्लेबाजी के सामने टीम इंडिया के फिरकी जाल के बीच रहने वाला है।फैसला जो भी हो लेकिन इस बात में कोई शक नहीं कि टीम इंडिया के पास ऑस्ट्रेलिया से 2023 वर्ल्ड कप फाइनल की हार का बदला लेने का यह सुनहरा मौका है।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज सेमीफाइनल

दुबई, एजेंसी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आज चैंपियंस ट्रॉफी का पहला सेमीफाइनल खेला जाएगा। मुकाबला दुबई के इंटरनेशनल स्टेडियम में दोपहर 2.30 बजे से शुरू होगा। यहां दोनों टीमें पहली बार एक दूसरे का सामना करेंगी। आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट में दोनों टीमें 9वीं बार भिड़ेंगी। इससे पहले हुई भिड़ंत में दोनों को 4-4 जीत मिली। 2023 के वनडे वर्ल्ड कप फाइनल में दोनों का आखिरी सामना हुआ था, तब ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट से जीत दर्ज की थी। भारत के पास उस हार का हिसाब बराबर करने का मौका है। वनडे में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा भारी भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 151 वनडे खेले गए। 57 में भारत और 84 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। वहीं 10 मैच कोई नतीजा नहीं निकला। दुबई में दोनों टीमें पहली बार ही भिड़ रही हैं। भारत ने टूर्नामेंट में अपने तीनों मैच इसी मैदान पर खेले, जबकि ऑस्ट्रेलिया ने तीनों मैच पाकिस्तान में खेले। टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया आगे आईसीसी के 2 वनडे टूर्नामेंट होते हैं, वर्ल्ड कप और चैंपियंस ट्रॉफी। इन टूर्नामेंट में दोनों टीमें 18 बार भिड़ीं, 7 में भारत और 10 में ऑस्ट्रेलिया को जीत मिली। इस दौरान 1 मैच बेनतीजा भी रहा। हालांकि, द्विपक्षीय टूर्नामेंट के नॉकआउट में दोनों टीमें 9वीं बार भिड़ेंगी। इससे पहले हुए 8 मुकाबलों में नतीजे बराबरी के रहे। 4-4 बार दोनों को जीत मिली।

अय्यर भारत के टॉप स्कोरर चैंपियंस ट्रॉफी में भारत से 2 प्लेयर्स ने शतक लगाए- शुभमन गिल और विराट कोहली। श्रेयस अय्यर ने पाकिस्तान और न्यूजीलैंड के खिलाफ फिफ्टी लगाई। वे 3 मैचों में 150 रन बनाकर टीम के टॉप स्कोरर हैं। मोहम्मद शमी, वरुण चक्रवर्ती और कुलदीप यादव ने टीम के लिए 5-5 विकेट लिए हैं। ड्वारशस ऑस्ट्रेलिया के टॉप विकेट टेकर ऑस्ट्रेलिया ग्रुप स्टेज में एक ही मैच पूरा खेल सका। टीम ने पहले मुकाबले में इंग्लैंड को 5 विकेट से हराया था। साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान के खिलाफ टीम के नतीजे नहीं निकले। लिमिटेड मुकाबलों में जोश इंग्लिस टीम के टॉप स्कोरर रहे, उनके नाम 120 रन हैं। बेन ड्वारशस 6 विकेट लेकर टॉप बॉलर हैं। पिच रिपोर्ट दुबई की पिच तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हुआ करती थी, लेकिन चैंपियंस ट्रॉफी में पिच पर स्पिनर्स का दबदबा दिखा। पहली पारी में पेसर्स और दूसरी पारी में स्पिनर्स पूरी तरह हावी हो गए। टूर्नामेंट के 3 मुकाबलों में पहले बैटिंग करने वाली टीम ने एक और चेज करने वाली टीम ने 2 मैच जीते। फिर भी अगर दुबई की पिच पर टॉस जीतकर पहले बैटिंग की जाए तो टीम फायदे में रह सकती है।

फोनपे, रेजरपे, मीशो, जेप्टो जैसे कई बड़े स्टार्टअप्स स्वदेश लौटने को तैयार

मेट्रो बाजार

नईदिल्ली, एजेंसी

अधिक फंडिंग, बिजनेस ग्रोथ और टैक्स में मिलने वाली रियायत के लालच में बहुत सारे भारतीय स्टार्टअप्स ने अमरीका, सिंगापुर जैसे देशों में अपना बेस सेटअप कर लिया था, लेकिन अब एक-एक करके दर्जनों स्टार्टअप घर वापसी की तैयारी में जुट गए हैं। हालांकि, विदेश से दोबारा भारत शिफ्ट होने की प्रक्रिया काफी लंबी, जटिल और महंगी है, इसके बावजूद पाइन लैब्स, ग्रो, मीशो, रेजरपे, जेप्टो, उड़ान जैसे दर्जनों स्टार्टअप स्वदेश लौटने को बेताब हैं। रेजरपे की तैयारी सबसे एडवांस्ड स्टेज में है। वेंचर कैपिटल फर्म्स व विशेषज्ञों का कहना है कि दोबारा अपना बेस भारत में शिफ्ट करना आसान नहीं है। रिवर्स फ्लिप (घर वापसी) के लिए इन कंपनियों को अमरीका जैसे देशों में भारी टैक्स चुकाना होगा। साथ ही इस प्रक्रिया में 9 से 36 महीने तक का समय लग सकता है। क्योंकि कंपनियों को अपने समूह की रीस्ट्रक्चरिंग के साथ टैक्स, रेगुलेटरी अप्रूवल, कंप्लायंस जैसे कई मुद्दे सुलझाने होंगे, उसके बाद ही भारत वापसी संभव है। ग्रो पिछले एक साल से भारत शिफ्ट करने की कोशिश में है, लेकिन अब तक सभी कानूनी प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाई है। ग्रो कंपनी ने अमरीकी यूनिट से भारतीय एंटिटि में अपने शेयरहोल्डिंग को ट्रांसफर करने का काम पूरा कर लिया है। टैक्स कंप्यूटेशन (टैक्स की गणना) का काम अभी बाकी। करोड़ से अधिक के टैक्स का भुगतान किया है। सिंगापुर कोर्ट ने पाइन लैब्स को खुद को अपनी भारतीय यूनिट में मर्ज करने की मंजूरी मिल गई है। कंपनी तेजी से आगे की प्रक्रिया पूरी करने में जुटी।

नए ऑर्डर-उत्पादन में कमी से पीएमआइ 56.3 तक गिरा

नईदिल्ली, एजेंसी

भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ फरवरी में सुस्त रही। मैन्युफैक्चरिंग पीएमआइ जनवरी के 57.7 से घटकर फरवरी 2025 में 14 महीने के निचले स्तर 56.3 पर आ गया। यह दिसंबर 2023 के बाद का सबसे धीमा विस्तार है। एसएंडपी ग्लोबल के मुताबिक, उत्पादन और बिक्री में सुस्ती के साथ इनपुट खरीदारी 14 महीने के निचले स्तर पर पहुंचने से यह गिरावट आई है। हालांकि, मांग बनी रही, लेकिन महंगाई के दबाव के चलते कंपनियों ने बढ़ती श्रम लागत का बोझ ग्राहकों पर डालना शुरू कर दिया, जिससे बिक्री घट गई। भारतीय मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की ग्रोथ को बढ़ावा देती रही, जिससे कंपनियों ने खरीदारी गतिविधियों और रोजगार में वृद्धि की। फरवरी में नए एक्सपोर्ट के ऑर्डर में उछाल आया। बिजनेस सेंटिमेंट भी मजबूत बना रहा, जिसमें सर्वे में शामिल करीब एक-तिहाई कंपनियों ने अगले साल उत्पादन में और तेजी की उम्मीद जताई है।

एंडी मरे ने खेला अपना आखिरी मैच

स्विटेक का रौंला गैरो पर दबदबा, 15 मैच में जीते

पेरिस, एजेंसी

दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी और टॉप सीड पोलैंड की इगा स्विटेक ने फ्रेंच ओपन में जीत से आगाज करते हुए दूसरे दौर में आसानी से जगह बनाई। मौजूदा चैंपियन स्विटेक 2010 के बाद फ्रेंच ओपन में लगातार 15 मैच जीतने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। उनसे पहले, बेल्जियम की पूर्व दिग्गज खिलाड़ी जस्टिन हेनिन ने 2005 से 2010 के बीच लगातार 24 मैच यहां जीते थे। स्विटेक ने पहले दौर के मैच में फ्रांस की गैरवरीय खिलाड़ी लेओलिया जीनजीन को 6-1, 6-2 से करारी शिकस्त दी। अब अगले दौर में स्विटेक का मुकाबला जापान की अनुभवी खिलाड़ी नाओमी ओसाका से होगा। चेक गणराज्य की पांचवीं सीड मार्केटा वोंड्रोसोवा और आठवीं सीड ट्यूनीशिया की ओंस जेब्योर ने भी आसान जीत हासिल की। वोंड्रोसोवा ने स्पेन की गैरवरीय खिलाड़ी रेबेका मासारोवा को 6-1, 6-3 से हराया। आठवीं सीड जेब्योर को भी अमरीकी खिलाड़ी साचिया विकेरी के खिलाफ 6-3, 6-2 से हराने के लिए ज्यादा संघर्ष नहीं करना पड़ा।

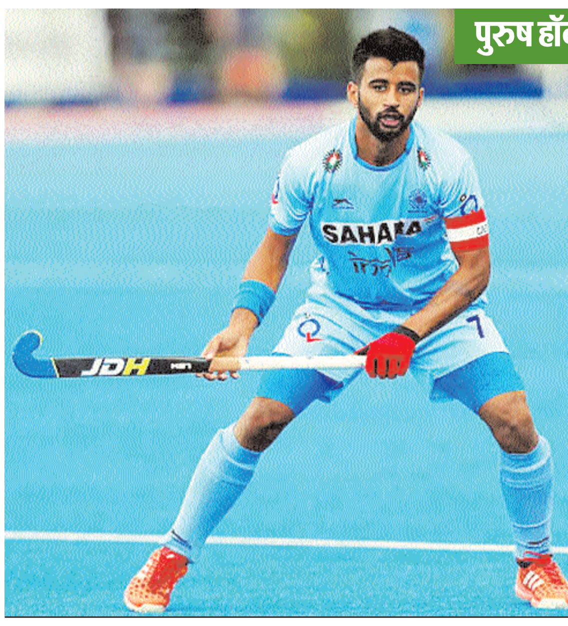

पुरुष हॉकी: एफआइएच प्रो लीग में अर्जेंटीना को 5-4 से दी शिकस्त

कप्तान हरमनप्रीत के दम से भारतीय टीम जीती

बैंकॉक, थाइलैंड. एजेंसी

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने कप्तान हरमनप्रीत सिंह की शानदार हैट्रिक से खेले गए एफआइएच प्रो हॉकी लीग में कड़े संघर्ष के बाद अर्जेंटीना को 5-4 से हराया। भारत की ओर से हरमनप्रीत सिंह ने हाफ टाइम से एक मिनट पहले पेनल्टी कार्नर पर गोल दागा। इसके बाद, उन्होंने 50वें और 52वें मिनट पर गोल करके अपनी हैट्रिक पूरी कर ली। भारतीय टीम की ओर से अरिजीत सिंह हुंदल (7वें मिनट) और गुरजंत सिंह (18वें मिनट) ने भी एक-एक गोल किया। भारत के डिफेंस ने भी दमदार प्रदर्शन किया। अर्जेंटीना पर शानदार जीत से भारतीय टीम 12 मैचों में 4 जीत, 6 ड्रॉ और दो हार के साथ 21 अंक अर्जित कर तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

• प्रियंका ने शेयर किया की माँ ने

पिता की डेथ के 6 दिन बाद मेरे लिए बर्थडे पार्टी ऑर्गेनाइज की

प्रियंका चोपड़ा की मां मधु चोपड़ा ने हाल ही में एक्ट्रेस से जुड़े कई खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि एक्ट्रेस ने अपने पिता के निधन के छह दिन बाद ही उनके बर्थडे के लिए काफी कुछ किया था। प्रियंका की मां ने हाल ही में लेहरें रेट्रो के साथ पॉडकास्ट में बातचीत करते हुए कहा- प्रियंका के पिता का निधन 10 जून को हुआ और मेरा जन्मदिन 16 जून को होता है। मैं 60 साल की हो रही थी। इसलिए प्रियंका के पिता ने मेरे लिए एक बड़ी पार्टी की प्लानिंग की थी। उस समय वह काफी बीमार थे, जिसके कारण पूरा परिवार पहले से ही वहां मौजूद था। इसी दौरान उनका निधन हो गया। उनके जाने के बाद हम काफी शोक में थे। लेकिन उस वक्त प्रियंका ने कहा कि हम बर्थडे पार्टी ऑर्गेनाइज करेंगे और सभी गेस्ट को रुकने के लिए कहा। उसने कहा, पिता जी यही तो चाहते थे। मधु चोपड़ा ने पूरा किस्सा शेयर करते हुए बताया कि मैं जॉन अब्राहम की शुरू से ही बहुत बड़ी फैन हूं। इसलिए प्रियंका ने आधी रात को जॉन को कॉल किया और उनसे रिक्वेस्ट की। प्रियंका ने जॉन से कहा कि वह मेरे बर्थडे में गिफ्ट के तौर पर आएं। बर्थडे पार्टी को ऑर्गेनाइज करते वक्त प्रियंका ने कहा, मां को अपना मूमेंट चाहिए। मधु चोपड़ा ने बताया कि यह एक ग्रैंड पार्टी थी। पार्टी में डीजे, म्यूजिक सब था। लेकिन फैमिली के लोग काफी उदास बैठे हुए थे, और कह रहे थे- उसे देखो! वह डांस कर रही है! क्या वह अपने पति के लिए दुखी नहीं है? हालांकि, मधु चोपड़ा ने इसे अलग तरह से देखा। उन्होंने माना कि उनके बच्चों ने इतने दुख के बावजूद भी उन्हें खास महसूस कराने के लिए बहुत मेहनत की है। प्रियंका का कहना था कि पिता यही चाहते थे कि मां का 60वां जन्मदिन अच्छे से सेलिब्रेट किया जाए। इससे पहले प्रियंका चोपड़ा ने रीड द रूम पॉडकास्ट पिता की डेथ को लेकर बात की। एक्ट्रेस ने बताया कि 2013 में उनके पिता की डेथ के बाद से उनमें काफी बदलाव आए। प्रियंका ने कहा- मेरे पिताजी के निधन के बाद, मैं धीरे-धीरे मैंने यह जाना कि इस तरह दर्द कभी खत्म नहीं होगा।

> प्रियंका के पिता अशोक चोपड़ा की साल 2013 में कैंसर से डेथ हो गई थी। श्रद्धांजलि के तौर पर एक्ट्रेस ने अपने राइट हैंड पर टैटू बनवाया, जिस पर लिखा है डैडीज लिटिल गर्ल।

• सोशल मीडिया पोस्ट में किया था शादी का दावा

शिखर की दुल्हन बनने को तैयार जान्हवी कपूर! अभिनेत्री ने चुप्पी तोड़ बताया सच

कुछ दिनों पहले एक सोशल मीडिया पोस्ट में दावा किया गया था कि जान्हवी कपूर जल्द ही शादी करने वाली हैं। इस पोस्ट से अफवाह उड़ी थी कि जान्हवी सुनहरी साड़ी पहनकर आंध्र प्रदेश के तिरुमाला मंदिर में शादी करना चाहती हैं। जान्हवी ने पोस्ट पर 'कुछ भी' कहकर कमेंट भी किया था। इस बीच, अभिनेत्री अपनी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही की रिलीज की तैयारी कर रही हैं। साथ ही एक बार फिर अपनी शादी की अफवाहों पर चुप्पी तोड़ अपना पक्ष साफ करती नजर आई हैं। एक हालिया इंटरव्यू में अभिनेत्री ने शादी की अफवाहों को संबोधित करते हुए कहा, मैंने हाल ही में एक बहुत ही बेवकूफी भरी बात पढ़ी, जहां उन्होंने कहा कि मैंने अपने रिश्ते की पुष्टि की है और मेरी शादी होने वाली है। लोगों ने दो-तीन आर्टिकल मिलाकर यह कह दिया कि मैं शादी कर रही हूं। वे एक हफ्ते में मेरी शादी करा रहे हैं, जो मुझे मंजूर नहीं है। मैं इस समय काम करना चाहती हूं। इससे पहले, जान्हवी ने साझा किया था कि वह शिखर पहाड़िया को किशोरावस्था के दिनों से जानती हैं। उन्होंने उन्हें अपना सपोर्ट सिस्टम भी बताया। एक पूर्व बातचीत में जान्हवी कपूर ने कहा, ंवह (शिखर पहाड़िया) तब से मेरी जिंदगी में हैं, जब मैं 15-16 साल की थी। मुझे लगता है कि मेरे सपने हमेशा उनके सपने रहे हैं और उनके सपने हमेशा मेरे सपने रहे हैं। हम बहुत करीब रहे हैं। हम लगभग एक-दूसरे की सहायता प्रणाली रहे हैं जैसे कि हमने एक-दूसरे को बड़ा किया हो। काम के मोर्चे पर, जान्हवी कपूर अपनी आगामी रिलीज मिस्टर एंड मिसेज माही के लिए तैयारी कर रही हैं। कहानी एक ऐसे जोड़े के इर्द-गिर्द घूमती है जो क्रिकेट से बहुत प्यार करता है। जान्हवी का किरदार एक डॉक्टर है, जो बाद में अपने पति (राजकुमार राव द्वारा अभिनीत) के शब्दों से प्रेरित होती हैं। बाद में, उन्होंने क्रिकेट के प्रति अपने जुनून का पालन किया जिसके कारण उनके जीवन में कई कठिनाइयां आईं। शरण शर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म ंमिस्टर एंड मिसेज माहीं में जरीना वहाब, कुमुद मिश्रा, राजेश शर्मा, अभिषेक बनर्जी, पूर्णेंदु भट्टाचार्य, यामिनी दास और अभिलाष चौधरी भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म 31 मई को रिलीज होने वाली है।

• परवरिश पर मनोज की दो टूक, बोले-

अपने माता-पिता को खलनायक के रूप में देखना स्वीकार्य है...

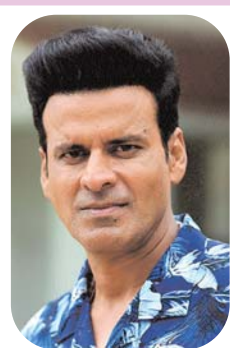

मनोज बाजपेयी इन दिनों अपनी हालिया रिलीज फिल्म भैया जी को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। इसी बीच अभिनेता ने बच्चों के पालन-पोषण पर अपने विचार साझा किए हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि आजकल बच्चे अत्यधिक सुरक्षित हैं। मनोज ने खुलासा किया कि उनके पास अपनी बेटी अवा नायला के साथ बिताने के लिए बहुत कम समय है, और इस बात पर जोर दिया कि बच्चों के लिए कभी-कभी अपने माता-पिता को खलनायक के रूप में देखना स्वीकार्य है। बाजपेयी ने संकेत दिया कि बच्चे बिना किसी परवाह के अपने माता-पिता से नाराज हो सकते हैं, इसलिए उनके लिए शुरुआत से ही लचीलापन और चरित्र का निर्माण करना महत्वपूर्ण है। यह पूछे जाने पर कि नई पीढ़ी को अस्वीकृति को संभालना मुश्किल क्यों लगता है, अभिनेता ने आरजे रौनक के साथ हालिया इंटरव्यू में कहा, यह एक गंभीर विषय है और जिसके बारे में मैं अक्सर सोचता हूं। हम अपने बच्चों को बहुत अधिक सहारा देते हैं। हम संयुक्त परिवारों से एकल परिवारों की ओर बढ़ गए हैं। हम शहरों में रहते हैं और अपने बच्चों को अपनी ट्रॉफियां समझने लगते हैं। हम भूल जाते हैं कि उसी बच्चे को दुनिया का सामना करना पड़ता है, और हमें उनका मार्गदर्शन करने, उन्हें सिखाने और उन्हें सही उपकरण देने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे सोशल मीडिया को दोषी ठहराते हुए कहा कि कैसे उनकी उम्र के लोग ंवास्तविक दुनियाज और कम उम्र के लोगों के साथ बातचीत करते थे। उन्होंने कहा, ंबच्चों का जीवन उनकी स्क्रीन तक ही सीमित है । उन्होंने आगे कहा, इसमें क्या बुराई है कि उनके बच्चे माता-पिता को खलनायक समझते हैं? वैसे भी, जब वे वयस्क हो जायेंगे तो उन्हें आपकी कोई परवाह नहीं रहेगी। मनोज बाजपेयी ने समझाया, ंअपने बच्चों को अपनी निजी ट्रॉफी के रूप में देखना बंद करें। यह कहना बंद करें कि मैं अपने बच्चे से प्यार करता हूं। आप उनके माता-पिता हैं, इसलिए बेशक आप उनसे वैसे भी प्यार करेंगे, लेकिन आपका प्यार उनकी जिंदगी बर्बाद कर रहा है। क्योंकि आप स्वार्थी हो रहे हैं, आप यह नहीं सोच रहे हैं कि बच्चे के लिए क्या अच्छा है।

सफाईकर्मी की संदिग्ध हालत में मौत, बिस्तर पर मृत मिला

भोपाल। जहांगीराबाद थाना क्षेत्र स्थित बैंक कॉलोनी में किराए के मकान में रहने वाले एक व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। देर रात वह खाना खाकर सोया था, लेकिन अगले दिन वह नींद से नहीं जागा। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हार्ट अटैक से मौत होने की आशंका जताई है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया था। मर्ग कायम कर तफ्तीश शुरू कर दी गई है। पुलिस के मुताबिक मूलरूप से इटारसी निवासीशैलेष चौधरी (47) यहां बैंक कॉलोनी में किराए से रहते थे और एमपी नगर स्थित एक कंपनी में सफाईकर्मी का काम करते थे। रोजाना की तरह शनिवार की रात काम से लौट कर वह खाना खाने के बाद सो गए थे। सुबह जब वह दस बजे तक नहीं उठे तो पड़ोसियों ने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा नहीं खुलने पर पुलिस मौके पर पहुंची तो अंदर शैलेष मृत हालत में मिले। पुलिस ने शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के परिवार में पत्नी, एक बेटा और बेटी हैं जो इटारसी में रहते है। अनुमान है कि शैलेष की हार्ट अटैक से मौत हुई है। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया है। परिजन अंतिम संस्कार करने शव को इटारसी रवाना हो गए। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण सामने आ सकेंगे।

रॉंग साइड डंपर ने स्कूटी सवार दोस्तों को मारी टक्कर, एक की मौत, दूसरा गंभीर

भोपाल। हनुमानगंज थाना क्षेत्र स्थित छोला रोड पर विशाल शादी हाल के पास रविवार-सोमवार की दरमियानी रात रॉंग साइड से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी सवार दो दोस्तों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शादी समारोह में शामिल होने के बाद चौपड़ा कला से लौट रहे थे टक्कर इतनी तेज थी कि स्कूटी पर सवार दोनों युवक उछलकर सिर के बल डिवाइर पर जा गिरे। हादसे के बाद आरोपी चालक डंपर लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर आरोपी चालक और डंपर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक गरीब नगर छोला निवासी रामश्रीवास सेन पुत्र राकेश सेन (20) ग्रेजुएशन करने के बाद प्राइवेट काम करता था। रविवार रात उसके दोस्त पीयूष की बुआ की बेटी की शादी चौपड़ा कला में थी। शादी में शामिल होने के लिए रामश्रीवास समेत पांच दोस्त अलग-अलग गाडियों से चौपड़ा कला गए थे। रात करीब तीन बजे शादी समारोह से लौटने के बाद वे लोग अपने घर न जाते हुए चाय पीने के लिए नादरा बस स्टैंड चले गए। चाय पीने के बाद रामश्रीवास और पीयूष स्कूटी पर सवार होकर गरीब नगर स्थित घर लौट रहे थे। उसी दौरान रात करीब तीन बजे विशाल शादी हॉल के सामने से गुजर रांग साइड से आ रहे तेज रफ्तार डंपर के चालक ने लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए उनकी स्कूटी को सामने से जोरदार टक्कर मार दी। गाड़ी के अगले हिस्से में टक्कर लगते ही रामश्रीवास और पीयूष उछलकर डिवाइडर पर जा गिरे।

बेटी के साथ जा रही महिला टीचर से रंगदारी, विरोध करने पर पथराव

भोपाल। श्यामला हिल्स थाना क्षेत्र स्थित टीटीटीआई के गेट के सामने बेटी के साथ जा रही महिला टीचर का रास्ता रोककर अड़ीबाजी करने का मामला सामने आया है। महिला टीचर ने विरोध किया तो आरोपी ने उनके घर पर पथराव कर दिया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक बाणगंगा निवासी बीना राठौर (50) प्राइवेट स्कूल की सीनियर टीचर हैं इलाके में रहने वाले बदमाश ने रास्ता रोककर मांगे शराब के पैसे विगत एक मार्च की सुबह करीब दस बजे वह अपनी बेटी के साथ जा रही थीं। उसी दौरान टीटीटीआई के गेट के सामने इलाके में रहने वाले कमल लाल ने उनका रास्ता रोकर लिया। वह महिला टीचर पर शराब पीने के लिए पैसों की अड़ी डालने लगा। महिला टीचर ने विरोध करते हुए पैसे देने से इनकार कर दिया। आरोपी गाली-गलौज करने लगा तो मां-बेटी किसी तरह वहां से चली गईं। बताया जा रहा है कि इसी बात को लेकर आरोपी कमल लाल ने महिला के घर पथराव कर दिया। महिला टीचर बीना राठौर ने थाने जाकर शिकायत दर्ज कराई है। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

कर्मचारी से मारपीट कर एक्टिवा व 55 हजार लूटने वाले बदमाश गिरफ्तार, गाड़ी व नगदी बरामद

जिस महिला से उधारी वसूली, उसके ही भाई ने रच डाली लूट की साजिश

खुद रखे 35 हजार जबकि दो अन्य आरोपियों को मिले 20 हजार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

हबीबगंज पुलिस ने 12 नंबर स्टॉप के पास निजी फर्म के कर्मचारी से मारपीट कर एक्टिवा व 55 हजार रुपए नगद लूटने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरियादी ने जिस महिला से उधारी की रकम वसूली थी, उसका भाई ही लूट की मास्टर माइंड निकला। उसने दो बदमाशों को लूट की साजिश में शामिल कर वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार नगदी व एक्टिवा समेत 60 हजार रुपए का मशरूका बरामद किया है।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से जिला ग्वालियर निवासी लोकेन्द्र गोडिया (45) यहां रोहित नगर शाहपुरा में किराए से रहते हैं और एक निजी फर्म के कर्मचारी हैं।

विगत 26 फरवरी की सुबह फर्म की संचालक ने उन्हें उधारी की रकम वसूल करने भेजा था। लिहाजा लोकेन्द्र ने पीसी नगर गड्डा में नसीम उर्फ बिट्टू की बहन गुलनाज के घर से 45 हजार रुपए उधारी के लिए और अपनी एक्टिवा की डिग्गी में रख लिए।

डिग्गी में लोकेन्द्र के खुद के 10 हजार रुपए भी रखे थे। गुलनाज के घर से निकलने के बाद वह फर्म की ओर लौटने के लिए रवाना हुआ। करीब पौने 11 बजे जैसे ही वह 12 नंबर स्टॉप स्थित मस्जिद के पास मैकेनिक की दुकान के सामने पहुंचा, वहां पहले से खड़े दो लडक़ों ने रुकने के लिए हाथ का इशारा किया। लोकेन्द्र ने जैसे ही गाड़ी स्लो की, उनमें से एक लडक़े ने जोरदार लात मारकर एक्टिवा समेत उसे नीचे गिरा दिया। फरियादी के नीचे गिरते ही बदमाशों ने मारपीट शुरू कर दी। डर के मारे फरियादी वहां से शोर मचाता हुआ मदद के लिए भागा।

उसकी चीख-पुकार सुनकर तीन-चार लोग मौके पर पहुंचे लेकिन तब तक दोनों लडक़े लोकेन्द्र की एक्टिवा लेकर फरार हो चुके थे।

गुलनाज का भाई निकला मास्टर माइंड

पुलिस और फरियादी को शुरू से ही उन लोगों पर संदेह था, जिनसे लोकेन्द्र ने उधारी की रकम वसूल की थी। विवेचना के दौरान घटनास्थल और आसपास लगे करीब 100 सीसीटीवी कैमरों के फुटेज चैक कर लुटेरों के भागने का रूट मैप तैयार किया गया। तकनीकी साक्ष्य और लोकल इंटेलीजेंस की मदद से पुलिस ने संदेही नसीम खान उर्फ बिट्टू (24) निवासी गड्डे वाली मल्टी फेस-टू को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पूछताछ में उसने अपने साथियों विकास मंसारे उर्फ झाड़ू (20) निवासी पीथमपुर जिला धार व पीयूष ठाकसे उर्फ कुनाल (21) निवासी गड्डे वाली मल्टी फेस- टू के साथ वारदात को अंजाम देना कुबूल किया। पुलिस ने बताया कि लूट का मास्टर माइंड गुलनाज का भाई नसीम उर्फ बिट्टू ही है।

नसीम ने किया था बदमाशों को इशारा

आरोपी नसीम खान ने विकास मंसारे उर्फ झाड़ू को बताया कि उसकी बहन गुलनाज एक व्यक्ति को उधारी की रकम देने वाली है। वो रकम छीनकर भागना है। इसमें उसे हिस्सा मिलेगा। विकास तैयार हो गया और उसने लूट की वारदात को अंजाम देने के लिए पीयूष ठाकसे उर्फ कुनाल को शामिल कर लिया। विगत 26 फरवरी की सुबह पौने 11 बजे जैसे ही लोकेन्द्र कोडिया उधारी की रकम लेकर गुलनाज के घर से निकला, तभी नसीम ने विकास व पीयूष को इशारा कर दिया था। इशारा मिलते ही बदमाशों ने 12 नंबर स्टॉप स्थित मस्जिद के पास लूट की वारदात को अंजाम दे दिया। लूट के बाद आरोपी विकास मंसारे के हिस्से में 15 हजार, पीयूष के हिस्से में पांच हजार और मास्टर माइंड नसीम के हिस्से में 35 हजार रुपए आए थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूट की रकम के 28 हजार 170 रुपए व एक्टिवा गाड़ी बरामद की है।

कुबेरेश्वर धाम से लौट रहे बुजुर्ग की ऑटो पलटने से मौत, तीन घायल

यूपी से भोपाल आए थे, रायबरेली रवाना होने के लिए ऑटो से स्टेशन जा रहे थे

भोपाल, दोपहर मेट्रो

सीहोर स्थित कुबेरेश्वर धाम में दर्शन कर लौट रहे उत्तर प्रदेश के 73 साल के बुजुर्ग की सडक़ हादसे में मौत हो गई। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात उनका सवारी ऑटो कलेक्ट्रेट के सामने असंतुलित होकर पलट गया। हादसे में बुजुर्ग के साले, साले की पत्नी व भतीजे को भी चोटें आई हैं। कोहेफिजा पुलिस ने सवारी ऑटो जब्त कर आरोपी चालक के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। हादसे में ऑटो में सवार अन्य सवारियों को भी मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस के मुताबिक मूलरूप से जिला रायबरेली उत्तर प्रदेश निवासी जगदम्बा प्रसाद अवस्थी (73) अपने साले, साले की पत्नी और भतीजे के साथ दर्शन करने कुबेरेश्वर धाम सीहोर आए हुए थे। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात उन्हें भोपाल स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर यूपी के लिए रवाना होना था। महिला समेत चारों रिश्तेदार एक सवारी ऑटो में सवार होकर स्टेशन जा रहे थे। ऑटो में अन्य सवारियां भी बैठी थीं। बताया जा रहा है कि रात करीब पौने दो बजे सवारी ऑटो के चालक ने तेजी व लापरवाही से गाड़ी चलाते हुए कलेक्ट्रेट के सामने पुल के पास ऑटो पलटा

स्कूल बस में लगाई आग, 7 दिन बाद प्रकरण दर्ज

भोपाल। कमलानगर थाना क्षेत्र स्थित चित्रगुप्त नगर वैशाली तिराहा में मैदान में खड़ी स्कूल बस को पेट्रोल छिड़क़कर आग लगाने के मामले में पुलिस ने दो नामजद समेत अन्य के खिलाफ आगजनी समेत अन्य धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया है। विगत 24 फरवरी की रात अज्ञात लोगों ने स्कूल बस में आग लगा दी। आगजनी में बस का काफी हिस्सा जलकर खाक हो गया था। पुलिस ने बस मालिक की शिकायत पर जांच शुरू की थी। जांच के बाद प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के मुताबिक नेहरू नगर निवासी राजेश गुप्ता अलग-अलग स्कूलों में अपनी बस किराए पर चलाते हैं। विगत 24 फरवरी की शाम उनकी बस वैशाली तिराहे के पास मैदान में खड़ी थी। उसी दौरान अज्ञात बदमाशों ने पेट्रोल छिडक़र बस में आ लगा दी थी। आसपास के लोगों ने अपने स्तर पर आग पर काबू पाने का प्रयास किया। फायर ब्रिगेड की दमकल भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने आकाश जोशी, अरशद व अन्य के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है।

देहात पुलिस के जवानों की रातभर कॉम्बिंग गश्त, 27 स्थाई व 48 फरार वारंटी गिरफ्तार

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी के ग्रामीण इलाके में रविवार-सोमवार की दरमियानी रात देहात पुलिस के करीब 100 अधिकारी व कर्मचारी सडक़ों पर उतर आए। देर रात से शुरू हुई कॉम्बिंग गश्त तडक़े तक चलती रही। इस दौरान पुलिस ने 27 स्थाई व 48 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया। पुलिस अधीक्षक (देहात) प्रमोद कुमार सिन्हा के निर्देश पर देहात के सभी सात थाना क्षेत्रों में कॉम्बिंग गश्त की गई। अचानक हुई कार्रवाई से इलाके के बदमाशों में हडक़ंप मच गया। गश्त में सभी थाना क्षेत्रों में करीब 100 पुलिस जवान शामिल थे।

पुलिस के मुताबिक कॉम्बिंग गश्त के लिए रविवार-सोमवार की दरमियानी रात देहात क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ. नीरज चौरसिया के मार्गदर्शन में सभीा एसडीओपी, टीआई, थानों का स्टॉफ सहित 100 पुलिस अधिकारी व कर्मचारी देर रात सडक़ों पर उतर आए। पुलिस ने बैरसिया, ईटखेड़ी, गुनगा, नजीराबाद, परवलिया, बिलखिरिया और सूखी सेवनिया थाना इलाके से देर रात 12 बजे से तडक़े 5 बजे तक 27 स्थाई और 48 गिरफ्तार वारंटियों को दबोच लिया। इसके साथ ही पुलिस ने दो नाबालिग बच्चियों को भी दस्तयाब करने में कामयाबी हासिल की है। गश्त के दौरान पुलिस ने कई अपराधों में फरार अपराधियों, लिस्टेड गुंडे, निगरानी बदमाशों और संपत्ति संबंधी अपराधों में जेल से जमानत पर रिहा हुए दर्जनों बदमाशों को उनके घर जाकर चैक किया।

दो नाबालिगों को भी किया दस्तयाब

लिस्टेड गुंडों और निगरानी बदमाशों को किया चैक

मेट्रो एंकर सफर के दौरान लैपटाप-मोबाइल समेत लाखों का सामान चोरी

भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों में नहीं थम रही वारदातें

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी से गुजरने वाली यात्री ट्रेनों में चोरी की वारदातें थम नहीं रही हैं। सफर के दौरान कई यात्रियों के लैपटाप और मोबाइल फोन समेत लाखों रुपये कीमत का सामान चोरी चला गया। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार फरियादी रूपेश कवड़कर अंडमान एक्सप्रेस के एसी कोच में कठुआ से बैतूल की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान वह अपना लैपटाप वाला बैग सीट पर रखकर सो गए। भोपाल स्टेशन आने पर नींद खुली तो बैग गायब था। चोरी गए बैग में 56 हजार पांच सौ रुपए कीमत का लैपटाप रखा हुआ था। इसी प्रकार डबरा निवासी गोलू रावत घर जाने के लिए भोपाल स्टेशन पहुंचा था। प्लेटफार्म क्रमांक 6 स्थित मुसाफिर खाने में उसने अपना मोबाइल फोन चार्जिंग पाइंट पर लगाया था। कुछ देर बाद देखा तो

मोबाइल चोरी हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 34 हजार रुपए बताई गई है। इधर चेन्नई निवासी रिटायर्ड महिला कर्मचारी एस. रोसलीन तमिलनाडु एक्सप्रेस में दिल्ली से चेन्नई की यात्रा कर रही थी। भोपाल स्टेशन से गाड़ी छूटने वह वाशरूम चली गई थी। वापस लौटने पर उनका लेडीज पर्स गायब था। पर्स में साढ़े पांच हजार रुपए नकद, दस हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज समेत अन्य सामान रखा हुआ था। पंजाब मेल में युवक का बैग चोरी प्रतापगढ़ उत्तर प्रदेश निवासी अख्तर अली (27) पिछले दिनों पंजाब मेल एक्सप्रेस में मुंबई से दिल्ली की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उनका एक पिट्ठू बैग चोरी हो गया। चोरी गए बैग में कपड़े, पासपोर्ट समेत अन्य जरूरी सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार गोरखपुर उत्तर प्रदेश निवासी राहुल पांडेय अपनी पत्नी अजली पांडेय के साथ उज्जैन मेला स्पेशल ट्रेन में भोपाल से सीहोर की यात्रा कर रहे थे। इसी दौरान किसी ने उनकी पत्नी का पर्स चोरी कर लिया। चोरी गए पर्स में एक मोबाइल फोन, आधार कार्ड, तीन हजार रुपए नकदी समेत अन्य सामान रखा हुआ था। दो लोगों की जेब से मोबाइल चोरी भोपाल निवासी अमित राजपूत जयपुर हैदराबाद एक्सप्रेस से भोपाल पहुंचे थे। ट्रेन से उतरने के बाद वह बाहर आटो स्टैंड के पास पहुंचे तो पता चला कि जेब में रखा उनका मोबाइल फोन चोरी हो चुका है। चोरी गए मोबाइल की कीमत 12 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार गुजरात निवासी भरत इंदौर से भोपाल पहुंचे। उन्हें सूरत जाना था। रात होने के कारण वह प्लेटफार्म क्रमांक 5 के ऊपर बने मुसाफिर खाने में जाकर सो गए। नींद खुलने पर पता चला कि जेब में रखा मोबाइल फोन और 20 हजार रुपए नकदी समेत कुल पच्चीस हजार का सामान चोरी हो चुका है। जीआरपी ने सभी मामलों में केस दर्ज कर

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **प्रधान संपादक राजेश सिरोठिया** **संपादक आशीष दुबे*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022